खण्ड-07 सत्र-05 अंक-65

बुधवार 06 मार्च, 2024
16 फाल्गुन, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 बुधवार, 6 मार्च, 2024/16 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-65

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1–2
2.	विशेष उल्लेख (नियम–280)	3–28
3.	वार्षिक बजट (2024–25) पर चर्चा	29–90

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 बुधवार, 6 मार्च, 2024/16 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-65

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
3. श्री अजय दत्त
4. सुश्री भावना गौड
5. श्री बी. एस. जून
6. श्री धर्मपाल लाकड़ा
7. श्री दिनेश मोहनिया
8. श्री हाजी युनूस
9. श्री जरनैल सिंह
10. श्री करतार सिंह तंवर
11. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
12. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
13. श्री राजेश गुप्ता
14. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
15. श्री रोहित कुमार
16. श्री शरद कुमार चौहान
17. श्री सोमदत्त
18. श्री शिव चरण गोयल
19. श्री सोमनाथ भारती
20. श्री एक. के. बग्गा

21. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
22. श्री महेन्द्र यादव
23. श्री मदन लाल
24. श्री नरेश यादव
25. श्री प्रलाद सिंह साहनी
26. श्री प्रवीण कुमार
27. श्री ऋतुराज गोविंद
28. श्री राजेश ऋषि
29. श्री संजीव झा
30. श्री सुरेंद्र कुमार
31. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र–5 बुधवार, 6 मार्च, 2024/16 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक–65

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.20 बजे समवेत हुआ।

माननीया उपाध्यक्ष (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

माननीया अध्यक्षः श्री पवन शर्मा जी। संजीव झा जी।

विशेष उल्लेख (नियम–280)

श्री संजीव झाः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदया कि आपने मुझे 280 में बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं बुराड़ी विधानसभा में अभी हमारा इलैक्ट्रिक बस डिपो शुरू हुआ है, तो इलैक्ट्रिक बस डिपो शुरू हुआ है उसके लिए तो मैं मंत्री जी को ढेर सारा धन्यवाद, साधुवाद शब्द देता हूं लेकिन जब से ये बस डिपो शुरू हुआ हमारे यहां परेशानी है कि ट्रैफिक कई गुणा बढ़ गई है। हमने पहले भी मंत्री जी को कहा था कि ये जब बस डिपो बने तो उसका एग्जिट बाहर से कर दीजिएगा। उस पर पीडब्ल्यूडी ने आकर कुछ प्लान भी किया लेकिन उस प्लान के

इंप्लीमेंट हुए बिना अब डिपो शुरू कर दिया गया है। अब हमारी पूरी बुराड़ी विधानसभा का केवल एक मात्र सौ फुटा रोड़ है जो एग्जिट रोड़ है। दस से 15 लाख की पोपूलेशन वहां से निकलती है, वैसे ही वहां पर ट्रैफिक कंजेशन बहुत बुरा है। अब जब से ये बस डिपो खुला है तो बस डिपो का भी रूट वही हो गया है और वो टी बन जाता है तो इससे घंटों-घंटों जाम की समस्या से लोग बहुत परेशान हो रहे हैं। तो मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से यही निवेदन है कि वहां पर जो पहले का प्लान था एक बस की एक सीट का जब तक वो नहीं बन रहा तब तक इस डिपो को शुरू ना किया जाए अन्यथा एक दिन ऐसा होगा कि लोग सड़कों पर आ के रिवोल्ट कर देंगें। तो उस प्लान को इमिजेटली शुरू किया जाए और जब तक वो शुरू नहीं होता है तब तक इस डिपो को फंक्शनल ना बनाया जाए, बस यही निवेदन है। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः शिव चरण गोयल जी।

श्री शिव चरण गोयलः अध्यक्षा जी नमस्कार, धन्यवाद आपका। अध्यक्षा जी मेरी विधान सभा मोती नगर में एक रोड़ है नजफगढ़ रोड़ और ये जखीरे से होकर जाती है कर्मपुरा होती हुई मोती नगर चौक तक। इस रोड़ पर बैंकट हाल्स हैं, कार शोरूम्स हैं और ये रोड़ पूरी तरह से कंजस्टिड रहती है और यहां पर लाखों व्हिकल रोज पासिंग करते हैं यहां से क्योंकि ये सड़क आपकी नजफगढ़ तक जाती है। यहां पर शाम होते ही जब यहां फंक्शन शुरू होते

हैं शादी ब्याह के किसी भी तरह के तो यहां पर सड़कों पर गाड़ियां पार्क कर दी जाती हैं और गाड़ी पार्क करने की वजह से यहां पर घंटों का जाम लग जाता है, जो भी वहां से गुजरते हैं एक-एक घण्टा डेढ-डेढ घण्टा वहां पर कई बारी फंसने की नौबत आ जाती है और ये मैं पहले भी विधानसभा में इसका मैटर उठा चुका हूं क्योंकि जब तक ट्रैफिक पुलिस या पुलिस इसके अंदर एक्शन नहीं लेगी क्योंकि जितने भी वहां पर बैंकेट्स हैं उनके पास पार्किंग की पर्याप्त सुविधा नहीं है जिसकी वजह से ये ट्रैफिक सड़कों पर आता है। तो मेरा आपके माध्यम से इन जो व्हीकल सड़क पर खड़े होते हैं और ये तीन-तीन, चार-चार रो में जिसकी वजह से पूरा का पूरा ट्रैफिक ब्लॉक हो जाता है। आप इसके ऊपर संज्ञान लेते हुए ट्रैफिक पुलिस से इसके ऊपर कोई कार्रवाई करवाएं जिससे आने वाले राहगीरों को, गाड़ी वालों को सभी को राहत मिल सके। मुझे बोलने का मौका दिया बहुत बहुत शुक्रिया। धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्षा जी, आपने मुझे 280 के तहत अपनी विधानसभा का सवाल उठाने का मौका दिया। अध्यक्षा जी मेरी विधानसभा के अंदर कच्ची कालानी के नाम पर सिर्फ एक गली है और उस एक गली के लिए भी इतनी परेशानी हमें झेलनी पड़ रही है कि मैं आपको बता नहीं सकता। उस एक गली का जो नक्शा था वो जीएसडीएल ने गलत लगा दिया उसके अंदर। बार बार

कहने के बावजूद उसको ठीक नहीं करा गया जबकि उसकी ज्वाईंट मीटिंग कराई गई, उस वक्त मंत्री सत्येन्द्र जैन जी थे और कैलाश जी दोनों मंत्रियों की ज्वाइंट मीटिंग कराई गई क्योंकि दोनों के अलग अलग विभाग उसके अंदर उन दोनों को रखा गया। जैन साहब ने कहा कि इसको जल्दी से जल्दी करके रिपोर्ट दो एक हफ्ते में और मुझे लगता है इस बात को तकरीबन तीन साल से भी ऊपर हो गये इस पर कोई काम नहीं हुआ। दुखी होकर गांव वाले लोग गांव के प्रधान कोर्ट चले गये, कोर्ट ने डायरेक्शंस दी। जब कोर्ट ने डायरेक्शन दी तो उस नक्शे को ठीक करके सोफ्ट कॉपी उनको आरडब्ल्यूए को दे दी गयी जो गांव की थी और यह कह दिया गया डीडीए ने भी ये कहा था कि डीडीए ने कहा हम सब कुछ कर देंगे लेकिन ये यहां से नक्शे को अपलोड कर दो। सब कुछ कर दिया अभी भी नक्शे को अपलोड नहीं कर रहे। अब उन्होंने कंटेम्प्ट के लिये वो कोर्ट जा रहे हैं। अब ये बताईये कि जैसे मैंने पहले भी विधान सभा में खड़े होकर कहा है जब हर काम के लिये कोर्ट में जायें, अगर दवाइयों के पैसे नहीं आ रहे तो कोर्ट में जायें, डेटा एन्ट्री ऑपरेटर हट रहे हैं तो कोर्ट में जायें, कोई फँड रोक लिया जाता है तो कोर्ट में जायें, जलबोर्ड के पैसे रख लिये कोर्ट में जायें, अगर जीएसडीएल रखना है कोर्ट में जायें, कोर्ट का काम तब आता है जब कोई सरकार अगर किसी केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार के अंदर कोई डिस्प्यूट होता है और वो नहीं संभलता है तब कोर्ट में जाया जाता है। लेकिन ये स्थिति बहुत कम आनी

चाहिये, जैसे 5 साल में एक बार आ जाये, 10 साल में एक बार आ जाये। यहां तो स्थिति ये बन गयी है एक दिन में पांच बार हो गयी है कि आप कोर्ट में जाते रहिये, जाते रहिये, जाते रहिये। तो मेरा आपसे एक निवेदन है कि इस तरीके की चीजें इतनी लंबित होती हैं कम से कम विधान सभा की तरफ से उनसे सवाल पूछा जाये आखिरकार सबकी पेमेंट आपकी तरफ से हो रही है, सेलरी विधान सभा से जा रही है, विधान सभा के प्रति ये सभी लोग उत्तरदायी हैं। तो वजीरपुर गांव के लोगों को जो तकलीफ हुई उसके लिये उतरदायी कौन है? अगर ये अधिकारी हैं तो इनकी तनख्वाह आपके यहां से जा रही है, आप इन्हें बुला के पूछें कि इसमें इतना विलम्ब क्यूं हुआ और कोर्ट के कहने के बावजूद भी ये अभी तक उस नक्शे को क्यूं नहीं अपलोड कर पाये। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः प्रलाद सिंह साहनी जी।

श्री प्रलाद सिंह साहनीः आदरणीय अध्यक्षा जी, आपने मेरे को समय दिया, आपका धन्यवाद। हमारे यहां एकवॉटर सप्लाई का पार्क है उस जगह पर तकरीबन 10 फुट गहरा नाला था जो रा वॉटर जाता था, आठ दस फुट गहरे को और कई हजार मीटर लंबा चौड़ा नाला था उसको भरकर एक सुंदर पार्क बनाया गया, करोड़ों रूपये उस पर लगे, 50-60 लाख रुपये उसकी लाईट पर लगे, एक चौकीदार न होने की वजह से दोबारा से हाई मास्ट लाईटें चोर उतार

के ले गये और आज वो बंजर हालत में है, कोई वॉटर सप्लाई का आदमी वहां जाकर राजी नहीं है, लाखों रुपये की चोरी हो रही है, जितनी हाई मास्ट लगी थी वो उतर गयी, सोलर सिस्टम की बैटरी हैं वो निकल गयी, और उसके बाद एक बहुत बड़ी जगह खाली पड़ी थी लोग उसके अंदर एंक्रोचमेंट कर रहे थे, मैंने 2007-08 में जब ज्यादा एंक्रोचमेंट हुई तो मैं वॉटर सप्लाई वालों के पास गया तो मैंने उनको कहा कि जितनी जगह अभी आपके पास है आप उस जगह दीवार लगा दो ताकि और ज्यादा एंक्रोचमेंट न हो। उन्होंने वहां दीवार लगा दी और एंक्रोचमेंट रोकने की बात कही। आज जो उसके आगे जगह है वो तकरीबन 2 हजार मीटर के करीब होगी उसपे एंक्रोचमेंट है। मैंने बार बार वॉटर सप्लाई को कहा कि ये जगह, वो कहने लगे जी ये जगह हमारी नहीं है। तो मैंने कहा किसकी है, कहने लगा जी कॉरपोरेशन की है। तो मैंने कॉरपोरेशन से भी लिखवा के दे दिया। फिर इन्होंने मेरे को कह दिया डीडीए की है मैंने डीडीए से लिखवा दिया। फिर तीसरी दफा ये कहने लगे अच्छा डीडीए की नहीं होगी पीडब्ल्यूडी की होगी मैंने पीडब्ल्यूडी से लिखवा के दे दिया। चारों अथॉरिटीज ने लिख के दे दिया कि हमारी नहीं है मगर मैं आप लोगों से अध्यक्ष महोदय कहना चाहता हूं इस पर जलबोर्ड की मंत्री इस पर खास ध्यान दें, करोड़ों रूपये की जलबोर्ड की जगह जिसको बातों में घुमाया जा रहा है। कोई भी आदमी इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रहा कि ये जलबोर्ड की है। मेरा आपसे एक अनुरोध है कि सारी अथॉरिटीज ने आपको लिख के दे

दिया इस तरह से पाइप लाईन जा रही है आगे तक भी आपकी है बीच में एक सड़क है उसको क्यों जगह छोड़ के बैठे हुए हैं। तो अगर जलबोर्ड के मंत्री किसी की रिस्पॉंसिबिलिटी फिक्स कर दें तो ये पता चल जायेगा कि ये जगह किसकी है और उससे ये सारा कुछ ठीक हो जायेगा और करोड़ों रूपये की जगह और जो इतना सुंदर पार्क एक सिरे से लेकर मजनूं टीला से रिंग रोड तक बनाया गया है जिस पर इतने पैसे खर्च किये गये हैं, आदरणीय केजरीवाल साहब भी वहां होकर आये थे। तो मेरा कहने का मतलब है कि इसको बहुत जल्द इस पर एक्शन लिया जाये और जो वॉटर सप्लाई के संबंधित अधिकारी हैं जिनकी वजह से ये काम खराब हो रहा है आप उनके ऊपर एक्शन लें या आप ये कहें उनको एक दफा जेसीबी चला दें कोई भी अथॉरिटी होगी मालिक वो सामने आ जायेगी। तीनों सबने लिख के दे दिया जब नहीं है तो कोई तो सामने आयेगा। धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः जय भगवान जी।

श्री जय भगवानः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने 280 के तहत मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया उसके लिये मैं धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान बवाना विधान सभा के जो डीएसआईआईडीसी फैक्टरी एरिया है उसकी तरफ ले जाना चाहता हूं। जहां पर फैक्टरी एरिया को बसाने के लिये वहीं पर डीएसआईआईडीसी ने 3164 फ्लैट बनाये जोकि फैक्टरी मालिक थे

उनको दिये गये कि इसके अंदर उनके मजदूर रहेंगे और उसमें करीब-करीब 2700 जो फ्लैट हैं वो आवंटन हो चुके हैं उनको अलॉट हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, ये 2700 फ्लैट वाले जो लोग हैं ये इतने परेशान हैं कि बार-बार जो वहां पर Bawana Infra न तो वो कोई मेनटेनेंस करती है और पिछले अगस्त 2023 से वहां पर मेनटेनेंस का कोई टेंडर नहीं लगाया गया जिसकी वजह से वहां पर बहुत ज्यादा गंदगी है, सीवर जाम है, नालियां जाम हैं, गंदगी के अंबार लगे हुए हैं और वो लोग उनकी जो स्थिति है बहुत ज्यादा खराब है। वो लोग चाहते हैं कि उनका जो टेंडर है वो जल्दी से जल्दी किया जाये क्योंकि सफाई व्यवस्था बहुत ज्यादा चरमराई हुई है, बहुत ज्यादा हालत खराब है। अध्यक्ष महोदय, दूसरा उनको पहले करीब करीब 2017 के आसपास दिल्ली जल बोर्ड का पानी मिलता था अध्यक्ष महोदय लेकिन Bawana Infra जो वहां पर concessionaire है, उसने पानी काट दिया जिसकी वजह से उनको जमीन का पानी पीना पड़ रहा है। लोग परेशान हैं। तो मेरा निवेदन है कि इन सभी फ्लैटों के अंदर जिस प्रकार से पहले दिल्ली जल बोर्ड का पानी दिया जाता था उनको दोबारा से दिल्ली जल बोर्ड़ का पानी दिया जाए कयोंकि पूरी दिल्ली, दिल्ली सरकार की जो फ्री स्कीम है 20 हजार लीटर पानी उसका यूज कर रही है तो इन फ्लैट वालों को भी दिल्ली जल बोर्ड का पानी मिलना चाहिए क्योंकि वहां पर पानी पर्याप्त मात्रा में है, तो इन्हें पानी मिलना चाहिए। दूसरा अध्यक्ष महोदया वहीं पर उसके बिल्कुल बगल में मेरे 1184 फ्लैट हैं ये

भी डीएसआईडीसी ने बनाए थे और इन फ्लैटों के अंदर करीब करीब 290 जो फ्लैट है वो किदवई नगर से झुग्गियां तोड़कर के ड्यूसिब ने उनको अलॉट किए और अध्यक्ष महोदय फिर उसके बाद में 72 झुग्गियां शालीमार बाग से तोड़ कर के वहां पर उनको अलॉट किया गया करीब 362 झुग्गियां को वहां पर फ्लैट अलॉट किए गए ड्यूसिब के द्वारा। अब डीएसआईआईडीसी बोलता है कि ये जो फ्लैट हैं वो ड्यूसिब को हमने हेंडओवर कर दिए और ड्यूसिब कहता है कि हमारे पास नहीं है! अब उनकी स्थिति भी बिल्कुल इनके जैसी है और इनके तो रोड़ भी बेकार पड़े हैं। इनके रोड़ आज तक बने नहीं अध्यक्ष महोदया जब से ये अलॉट हुए हैं, 2010 से इनके रोड़ नहीं बने हैं। ना ही वहां पर पानी की व्यवस्था है और जो उनकी जो स्ट्रीट लाइट है अध्यक्ष महोदय इन दोनों की डीएसआईआईडीसी के अंदर भी जो 3184 फ्लैट हैं 64 फ्लैट हैं और 1184 फ्लैट हैं इनके अंदर भी लाइटें काट रखी हैं और जबकि मुख्यमंत्री स्ट्रीट लाइट योजना के तहत या वैसे भी हर जगह स्ट्रीट लाइटें जलाई जाती हैं लेकिन जो concessionaire, Bawana Infra है उसके द्वारा उनकी जो लाइटें हैं वो भी काट दी गई है। अब वो जो गरीब लोग हैं जो फैक्ट्रियों के अंदर काम करते हैं मजदूर लोग हैं जिनको दिल्ली सरकार ने वहां पर बसाया है 362 ड्यूसिब और डीएसआईआईडीसी के 2700 फ्लैट वो बेचारे अंधेरे में रहते हैं। अध्यक्ष महोदय तो मेरा सदन के माध्यम से आपसे निवेदन है आज माननीय मंत्री, माननीय सौरभ भारद्वाज जी यहां पर मौजूद

नहीं है पिछली बार भी ऐसा मुद्दा आया था जब सत्येन्द्र जैन जी इसके मंत्री थे तो मैंने माननीय सत्येन्द्र जैन जी को बोला था तो उन्होंने इस समस्या का समाधान किया था। तो आज मंत्री जी यहां पर मौजूद नहीं हैं, तो मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से भी कहना चाहता हूं कि इस पर विशेष ध्यान दें और 3184 फ्लैट सॉरी 3164 और 1184 फलैटों पर विशेष ध्यान दें जिससे कि पानी बिजली और रोड और सफाई का जो कार्य है वो जल्दी से जल्दी कराया जाये। आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिये धन्यवाद। थैंक्यू।

माननीया अध्यक्षः मदन लाल जी।

श्री मदन लालः धन्यवाद स्पीकर मैडम। स्पीकर मैडम मेरे यहां कोटला मुबारकपुर में बापू पार्क एक जगह है जहां एशियाड 82 के गेम्स के चलते चूंकि उस क्षेत्र में सीवेज की सिस्टम नहीं थी वहां एक सरकारी टॉयलेट ब्लॉक बनाया गया, 400-500 मीटर के क्षेत्र में ये टॉयलेट ब्लॉक बनाया गया था उस समय की जरूरत थी क्योंकि लोग खुले में शौच के लिये जाते थे। आज के दिन कोटला की तस्वीर बदल गयी है और जब से माननीय केजरीवाल जी की सरकार आई है हमने कोटला मुबारकपुर के हर गली मोहल्ले में और पूरे क्षेत्र में सीवर लाईनें और पानी की लाइनें बिछाने का काम कंप्लीट कर लिया है। ऐसे में न वहां सरकारी शौचालय की जरूरत है और ना पानी के बंदोबस्त की जरूरत है। सड़क चलते लोगों की

जरूरतों को दो चार टॉयलेट के ब्लॉक्स बनने से पूरी हो सकती हैं। वहां आये दिन उस टॉयलेट ब्लॉक की वजह से चूंकि वहां स्मैक पीने वाले एंटी सोशल एलीमेंट्स, शराबी उन लोगों का कब्जा होता है, तो आये दिन वहां झगड़े की, मारपिटाई की, स्नैचिंग की, महिलाओं से छेड़खानी करने की शिकायतें कभी कभी आती रहती हैं। पीछे एक आदमी का तो एक स्मैक पीने वाले ने कत्ल भी कर दिया था। हमने एमसीडी से रिक्वेस्ट की है कि उस जगह पर एक सामुदायिक भवन बना दिया जाये जिससे वहां लोगों की जरूरतें पूरी हो सकें, उसके बिल्कुल पड़ोस में, स्पीकर मैडम 2016 में मैंने एक जच्चा-बच्चा एमसीडी की पुरानी अस्पताल थी डिस्पेंसरी थी आयुर्वेदिक, टूटी फूटी हालत में पड़ी हुई कम से कम 15 बीस साल 2016 से 15 बीस साल पहले से बंद थी और अबैंडंड थी। 2016 में मैंने उसको अपने फँड से जो माननीय केजरीवाल जी की मदद से हमें मिला है पौने 2 करोड़ रूपये जच्चा-बच्चा अस्पताल बनाने के लिये दिया था। पर राजनीति के चलते जो वहां स्टैंडिंग कमेटी की चेयरमैन थी उसको ये जानकर कि ये एमएलए आम पार्टी का है वो प्रोजेक्ट स्क्रैप कर दिया गया था। पर हमने 2016 से 2023-24 तक अब लगातार उसका पीछा करते रहे और चिट्ठी पत्री के द्वारा उसको जीवित रखा तो अब वो अल्टीमेट्ली जब से हमारी मेयर साहिबा बनी है उनके प्रयत्नों से और उनके एफर्ट्स की वजह से उनकी इंडलजेंस की वजह से वो अस्पताल अब बनने के लिये तैयार होने लगा है और अगले दो तीन दिन में उसका हम उद्घाटन

करेंगे। एमसीडी ने कहा है कि उस पर एक करोड़ रूपये का लगभग खर्चा और आयेगा, 26 लाख उसके एस्कलेट और कॉस्ट कर दी तो मैंने एक करोड़ 98 लाख रूपये यानि 2 लाख कम 2 करोड़ रूपये उस प्रोजेक्ट पर दे रखे हैं। वो दो करोड़ के बाद एमसीडी और एक करोड़ और मांग रही है हमउसे भी देने को तैयार हैं एमएलए फँड से। उसके ठीक सामने ही टॉयलेट ब्लॉक है। अब जब वहां महिलायें 24 बेड का जच्चा-बच्चा केंद्र बनेगा तो महिलायें देर रात गये आयेंगी, उनके परिवार वाले आयेंगे, उनके तिमारदार आयेंगे, ऐसे में वहां स्मैकियों का जो जमावड़ा रहता है और जो उस टॉयलेट ब्लॉक की जरूरत भी नहीं है तो मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि वहां एक कम्यूनिटी सेंटर बने और हम पैसा देने को तैयार हैं दो करोड़ लगभग 2 करोड़ हम ऑलरेडी दे चुके हैं एक करोड़ और देने के लिये तैयार हैं। मुझे उम्मीद है आपके माध्यम से मेरी बात सरकार तक और एमसीडी के उन ऑफिसरों तक पहुंचेगी जो इसको बनवाने में हमारी मदद कर सकते हैं। धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः अखिलेश पति त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः स्पीकर महोदया, आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मेरे क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण विषय उठाने का अवसर दिया है। स्पीकर महोदया मेरे क्षेत्र में प्रिंसेस रोड है पीडब्ल्यूडी का रोड है वहां पर उस रोड पर मेरे क्षेत्र में बहुत ही प्रतिष्ठित

स्कूल जीडी गोयनका स्कूल, सृजन स्कूल, क्वीन मैरी स्कूल, डीएवी स्कूल, जीटीबी स्कूल, खालसा एसजीटीबी खालसा स्कूल, तमाम स्कूल वहां उस रोड पर हैं और जिसमें तकरीबन 15 हजार से ज्यादा बच्चे पढ़ते हैं। और ये मामला केवल मेरे क्षेत्र से संबंधित नहीं है। मेरे पड़ोस में तिमारपुर का क्षेत्र पड़ता है। वहां के भी बच्चे पढ़ते हैं, आदर्श नगर का क्षेत्र पड़ता है वहां के भी बच्चे पढ़ते हैं। मेरे पड़ोस में वजीर पुर का क्षेत्र पड़ता है वहां के भी बच्चे पढ़ते हैं। दिल्ली जलबोर्ड ने पिछले डेढ साल पहले इस रोड पर पाइप लाईन डालने के नाम पर इस रोड को खोद दिया और खोद करके उस रोड को वैसे छोड़ दिया। बड़े-बड़े गड्ढे जिसमें आये दिन रोज एक्सीडेंट होता रहा। वहां पर कोई सुरक्षा के मानक तय करने के लिये वहां पर कोई सुरक्षा मानक नहीं लगाये और हालत ये रहा कि बड़े-बड़े गड्ढे सालों तक खुदे रहे। बहुत एर्ट किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी के नजर में आया ये बात उसके बाद थोड़ा-सा उसको गड्ढे को बंद करने का काम हुआ। सभापति महोदया, आज भी वो रोड पिछले 2 साल से डेढ़ साल से बंद है और जब स्कूलों की छुट्टी होती है तो तीन-तीन घंटे, चार-चार घंटे स्कूल के बच्चे वहां पर फंसे रहते हैं। ये लापरवाही जलबोर्ड की है और आज भी वो प्रोजेक्ट पूरा नहीं हुआ। जो प्रोजेक्ट केवल 6 महीने में पूरा हो जाना था दिल्ली के लोगों को उससे राहत मिलना था, पानी मिलता वो प्रोजेक्ट ना केवल पूरा नहीं हुआ, बल्कि दिल्ली के तमाम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनके रह गया है। पीडब्ल्युडी

से बात करो वो कहते हैं हमने तो उनको जो है हैंडओवर कर रखा है, इस सड़क को हम बना नहीं सकते। दिल्ली जलबोर्ड से बात करो तो वो कहते हैं जी वित्त सचिव ने फंड रोक दिया, हमारा कोई पेमेंट नहीं हो रहा ठेकेदारों का, हम काम नहीं कर पा रहे। अब मैं गुहार लगाने आया हूँ अपने क्षेत्र के लोगों की तरफ से, उन 15 हजार बच्चों की तरफ से गुहार लगाने और सदन का ध्यान आकर्षित कराने आया हूँ कि जो लोग भी इसमें दोषी हैं अधिकारियों को, दिल्ली जलबोर्ड के सीईओ को तुरंत बुलाया जाए। इस तरीके की घोर लापरवाही के लिए ऐसे लोगों को सजा होनी चाहिए। दो-दो साल तक लोग जो है तीन-तीन घंटे तक मुझे लगता है कि मेरे साथी भी इससे संबंधित दिलीप भाई बैठे हैं, राजेश जी बैठे हैं अभी पवन शर्मा जी पीछे बैठे हैं वो सब लोग भी वो ही बोलेंगे। इतना लोग पेरेंट्स घर पे आ जाते हैं लोग इतना दुखी हो रहे हैं। सभापति महोदया इस पर तुरंत संज्ञान लें और तत्काल रूप से ये रोड बनाया जाना चाहिए। विद इन मंथ और चालू हो ताकि वहां जाम की समस्या से निजात मिले। बच्चे समय से स्कूल पहुंच पायें। दो-दो घंटे बच्चे लेट पहुंच रहे हैं सुबह के टाइम और घर जाने के लिए तीन-तीन घंटे लेट पहुंच रहे हैं। ये जलबोर्ड की लापरवाही की वजह से ये झेलना पड़ रहा है लोगों को तो मुझे लगता है कि सदन के संज्ञान में आया है, आपके संज्ञान में आया है इसका समाधान निकलेगा और पूरा क्षेत्र इस सदन के प्रति अपना आभार व्यक्त करेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिंद।

माननीया अध्यक्षः राजेश ऋषि जी।

श्री राजेश ऋषिः धन्यवाद अध्यक्ष महोदया आपने मुझे 280 में अपनी बात रखने का मौका दिया। मेरा आज का जो मुद्दा है ये है मिलावट। आज पूरा देश मिलावट से परेशान है। हम दिल्ली में देख रहे हैं जगह-जगह मिलावटी सामान बिक रहा है। सबसे बड़ी चीज है दूध। जिसको हम सफेद सोना भी कहते हैं, सफेद अमृत भी बोलते हैं। लेकिन आज हमें जो दूध मिल रहा है पीने के लिए इस पर लगभग 40 से 50 परसेंट दूध नकली मिल रहा है पीने के लिए। हमारे घर में बच्चे होते हैं आजकल मातायें काम करती है तो अपने बच्चों को घर में छोड़ जाती हैं। बच्चा रोता है तो उसको दूध पिलाती है। उनको ये पता नहीं कि हम जिस बच्चे को दूध पिला रहे हैं, जिस गाय का दूध के नाम से आया हुआ है, हम दूध नहीं उस बच्चे को धीरे-धीरे जहर दे रहे हैं। क्योंकि मैंने देखा कि आज बहुत छोटे-छोटे बच्चों को लीवर की प्रोब्लम हो जाती है। किसी को किडनी की प्रोब्लम हो जाती है। हमारी सरकार इतना पैसा लगा रही है स्वास्थ्य के क्षेत्र। अगर हम कुछ सावधानी बरतें और मिलावट में जो हो रहा है इस समय दूध के अंदर मिलावट हो रही है और जो सामानों में मिलावट हो रही है उस पर अगर हमारा डिपार्टमेंट ढंग से काम करे तो आने वाले टाइम में जो हमारे मरीज की संख्या बढ़ रही है वो बढ़ेगी नहीं रूक जायेगी। दूध से बहुत सारे प्रोडेक्ट बनते हैं। आप ये देखिए कि दूध में एक दूध वाला आता है घर में दूध देने के लिए वो दूध देता है आपको 5 लीटर,

उससे बोलो कि हमें कल 10 लीटर चाहिए तो वो 10 लीटर भी दे देता है। उसको बोलो कि हमें आज 25 लीटर चाहिए वो 25 लीटर भी दे देता है। उसके घर में दो भैंसे हैं वो 25 लीटर कहां से ले आया। क्योंकि हर आदमी जान रहा है कि नकली दूध कहां-कहां से आ रहा है, कहां पैदा हो रहा है। पनीर आज की डेट में 60 परसेंट नकली पनीर है पूरे मार्केट के अंदर। आप दूध के रेट के हिसाब से अगर देखें तो 150 रू किलो में कहां से पनीर मिल जायेगा। नकली पनीर आ रहा है, सेंथेटिक पनीर आ रहा है। मैं आपको एक छोटी-सी एक बात बताता हूँ। मेरे एक मित्र हैं उन्होंने एक कुत्ता पाला। वो घर में कुत्ता पाला हुआ था उसको उन्होंने पनीर खिलाया उसे बड़ा अच्छा लगा पनीर। उसको वो खाना देते थे वो खाता नहीं था पनीर खाता था। वो लगातार उसको पनीर खिलाते रहे, खिलाते रहे एक दिन उस कुत्ते की कुत्ता बीमार पड़ गया वो डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने उसका सारी स्कैनिंग करी बोला इसका लीवर डैमेज हो गया। बोला जी कैसे डैमेज हो गया, मैं तो कुछ खिलाता नहीं इसको। बोले खाता क्या है कह रहे पनीर। तो पनीर वो कहते हैं कि पनीर नहीं खिला रहे आप इसको जहर खिलाते रहे। तो मेरा ये मानना है कि इस समय सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए पनीर के बड़े-बड़े शोरूम हैं उनसे आप हजार किलो मांगों, हजार दे देंगे। 5 हजार किलो मांगों 5 हजार किलो दे देंगे। अरे दूध का उत्पादन तो उतना ही है। कहां से आ रहा है ये। आजकल एक कैमिकल आता है उसको पानी में मिलाओ, घोलो वो दूध बन जाता है। आप

सबको मालूम है कि यूरिया से दूध कैसे बनता है। यूरिया और सरकार ने यूरिया का नीला रंग कर दिया कि इससे दूध नहीं बनेगा। लेकिन लोग नीले रंग को पहले उड़ा देते हैं उसके बाद उसका दूध बनाते हैं। आज दिल्ली की जनता के हर तीसरे घर के अंदर ये मान के चलिए हर तीसरे घर के अंदर आज नकली दूध मिल रहा है पीने के लिए। तो मेरा आपसे ये ही कहना है कि जो ये हो रहा है इसके लिए कार्यवाही करें और जो देश के अंदर पूरे देश के अंदर 1970 में दूध क्रांति आयी जिसको फ्लड ऑपरेशन के नाम से हमारे यहां पर जो थे वैज्ञानिक डॉक्टर बर्गिस कोरियन जी जो लेकर आये और इससे देश आत्मनिर्भर होने की कोशिश में था कि जल्दी आत्मनिर्भर दूध के मामले में हो जायेगा। आज वो इस दुनिया में नहीं है। जब वो देखते होंगे कि आज हमारे देश के अंदर दूध का उत्पादन तो बढ़ नहीं पा लेकिन दूध बढ़ता जा रहा है ये आ कहां से रहा है। मेरा ये ही कहना है कि मिलावट जो हो रही है इसको हमें रोकना होगा। आज आप सड़कों पर जायें तो सड़कों पर देखते हैं ठेले लगी हैं। चाऊमीन बिक रही है और गरीब आदमी बेचारा रिक्शे वाला ये सब वहां चाऊमीन खा रहे हैं। मैडम अगर आप चाऊमीन को जाकर देखेंगे तो उसके अंदर जो सॉस डल रही है वो नकली सॉस है। कैमिकल युक्त है। उसके अंदर जो ग्रीन सॉस डाल रहे हैं वो भी कैमिकल युक्त है। मैंने एक दिन एक प्लांट पे देखा बन रही थी। एक घर के अंदर वो पता नहीं कहां से सड़ी हुई सब्जियां लाकर उसे पीस रहा था। पीसने के बाद हरि सब्जियों को

डालके उसमें कैमिकल मिलाया और बड़े-बड़े डिब्बे भर के वो बेचने निकल गया। ऐसे ही उसने लाल रंग मिलाके सॉस तैयार करी उसमें एसिड मिलाया, थोड़ी चीनी मिलायी और वो सॉस बन गयी। तो मैडम ये सब चीजें बिक रही हैं रोड के ऊपर। गरीब आदमी आज परेशान है। उसको खाने के लिए कुछ मिलता नहीं वो चाऊमीन खाता है। जगह-जगह मोमोस खा रहे हैं। मोमोस के अंदर आप जाकर देखेंगे तो उसके अंदर जितनी सड़ी हुई गोभी होती है बाजार की वो सब लेकर आते हैं, सारी पीस के उसमें भर देते हैं। देश के अंदर अगर हमें दिल्ली को भी सुधारना है तो हमको अपने इन डिपार्टमेंट्स को जगाना होगा। वो लोग जाकर इनको टैस्ट करें, चैक करें। आज तो बड़े-बड़े होटलों के अंदर भी ये सारा काम होने लगा है। लोगों की जिंदगी से ये खिलवाड़ हो रहा है। मैं आपके आज स्वास्थ्य मंत्री नहीं है, नहीं तो मैंने कल भी उनसे कहा था कि जो भी ये सामान नकली आ रहा है इसकी जांच शुरू करें और रिपोर्ट मांगे कि कितने उन्होंने आज तक टैस्ट किये। ये लोग खोया मंडी में जाते हैं। खोया मंडी में खोया बिकता है उसकी बोली लगती है। वहां पर भी 60 परसेंट खोया नकली बिकता है। पहले त्यौहार आते थे तो खोया, पनीर सब बंद हो जाता था। दूध चलता था खाली। आज सब चालू रहता है। सरकारों की तरफ से छूट भी मिल जाती है उनको बेचने की। तो ये सोचिए कि दूध का उत्पादन तो हो नहीं रहा। इतनी मिठाई कहां से बन रही है। इतना खोया कहां से आ रहा है। इतना दही कहां से आ रहा है। ये सब सैंथेटिक आ रहा

है। ये सैंथेटिक हमारे जो जनता है उसमें एक दीमक की तरह काम कर रहा है। मेरा आपके माध्यम से ये अनुरोध है कि ये मिलावट जितनी हो रही है इस मिलावट को रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री पर दवाब बनायें। स्वास्थ्य मंत्री को बोलें कि अपने डिपार्टमेंट पर दवाब बनायें। क्योंकि ये डिपार्टमेंट हमारे सिस्टम से काम नहीं कर रहे। हर जगह वो गांधी जी ले के चले आते हैं और काम होता चला जाता है। तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद आपने मुझे इस प्रश्न को रखने के लिए मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः सुरेन्द्र कुमार जी।

श्री सुरेंद्र कुमारः आदरणीय अध्यक्षा, आपने 280 पर बोलने का मौका दिया क्योंकि एक महत्वपूर्ण विषय मेरी विधान सभा से जुड़ता हुआ। आदरणीय अध्यक्षा मेरे यहां एक अंबेडकर मार्ग है जो लोनी रोड के नाम से जाना जाता है जो सहारनपुर, मुजफरनगर से होता हुआ वजीराबाद रोड और सीधा जीटी रोड से निकलता है। जो वजीराबाद रोड पर एक गोल चक्कर उसपर दिल्ली सरकार के द्वारा एक पुल अंडरपास बनना शुरू होने वाला था। उसके टेंडर भी हो गए और टेंडर अवार्ड भी हो गए। करीब तीन सौ, साढ़े तीन सौ करोड़ की योजना से दिल्ली सरकार इसको बनाने का काम कर रही थी। लेकिन वहां के हमारे क्षेत्रिय जो सांसद थे मनोज तिवारी जी ने आकर वहां किनारे पर कुछ वहां लौहार बैठे हैं तो उनको आकर बोलते हैं कि भई आप जब तक ना उठना जब तक दिल्ली सरकार

आपको रहने के लिए कहीं आपको जगह न दे दे। तो आदरणीय अध्यक्ष जी मैं भारतीय जनता पार्टी के सांसद से पूछना चाहता हूँ कि लैंड हमारे पास नहीं है आपके एलजी के पास है। हम कहां से उनको लैंड दे देंगे? लेकिन उसके बावजूद भी पीडब्ल्यूडी कोर्ट में गई। कोर्ट में हम पिछले 15 दिन पहले इस केस को जीत गए। वो हमारे फेवर में आया उनको उठाने के आदेश कोर्ट ने कर दिये हैं। तो इसके माध्यम से मैं आपसे ये कहना चाहता हूँ कि आदरणीय हमारी पीडब्लुडी की मंत्री से निवेदन करना चाहता हूँ कि उनको वहां पर डीएम को आदेश कर कर या दिल्ली पुलिस के कमिश्नर को आदेश कर कर वो तुरंत वहां से लौहार हटाये जायें जिससे कि लाखों की जनसंख्या में वहां से लोग वाहन आते हैं छोटे-बड़े वाहन आते हैं। यूपी और दिल्ली का एक बहुत बड़ा लिंक है ये हाईवे एक तरह का है। तो उसको वहां से हटाकर वहां तुरंत ही वो अंडरपास को बनाने का कार्य किया जाए क्योंकि बहुत लम्बे समय से लंबित है। ये 4-5 साल से उसपर चल रहा था कार्यवाही। तो इसी के साथ-साथ एक और अंडरपास मेरे यहां बनना था जो हमारे यहां एक मंडोली फाटक है। उसके नीचे अंडरपास बनना था वो भी लंबित है। वो पिछले कुछ जलबोर्ड की समस्या थी उसमें एक वहां वाटर लाइन बड़ी वाली लाइन गयी हुई है। एक वहां बीएसएस की एक केबल थी। केबल वहां से हट गई लेकिन अभी जलबोर्ड की अभी जो पाइपलाईन नहीं हटी है तो उसको हटाने का काम किया। माननीय जलमंत्री से कहना चाहता हूँ ये अंडरपास बन जाये। एक

अंडरपास और हमारे यहां था जोकि सेवाधाम रोड को जो नंदनगरी हमारा जो डिपो है उस पर वो निकलना था वो भी लंबित है। तो ये तमाम यहां पर करीब दो-दो घंटे वहां जाम लगा रहता है। डेली लगता है। परेशान होती है वहां के क्षेत्र की जनता। आदरणीय अध्यक्ष जी आप आदरणीय हमारी पीडब्ल्यूडी की मंत्री को आदेश करेंगे तो निश्चित तौर से ये तीनों अंडरपास बनने का काम होगा जोकि लम्बे समय से लम्बित है और सरकार इसको बनाना चाहती है। तो आपसे मैं ये ही निवेदन करना चाहता हूँ कि निश्चित तौर से यदि तीनों अंडरपास बन जायें तो मेरे हिसाब से लाखों लोगों को वहां पर राहत मिलेगी। आपने इस महत्वपूर्ण इस पर बोलने का आपने आदेश करा उसके लिए धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

माननीया अध्यक्षः सोमदत्त जी।

श्री सोमदत्तः धन्यवाद अध्यक्षा जी। अध्यक्षा जी मैं आपका ध्यान मेरी विधान सभा सदर बाजार में प्राइवेट कटरो की दुर्दशा की और दिलाना चाहता हूँ। इन प्राइवेट कटरों में लगभग 70, 80, 100 साल से लोग रह रहे हैं। दो-दो, तीन-तीन पीढियां रह रही हैं और इनमें जो कॉमन स्पेस है और जो कॉमन टॉयलेट्स हैं उनकी हालत बहुत ही ज्यादा खराब है। लगातार वहां के रेजींडेंट्स इसकी कम्पलेंट करते हैं। इसके लिए मैंने एमएलए फँड से एमसीडी को बोला कि भई आप इन कॉमन स्पेसिज़ को कॉमन टॉयलेट्स को रिपेयर कराने के लिए एस्टीमेट बना दीजिए। एमसीडी ने मना कर दिया कि इन

प्राइवेट कटरों में हम काम नहीं करते। उसके बाद मैंने डूसिब विभाग से बोला कि आप इन कॉमन स्पेसिज़ के लिए एस्टीमेट बना के दे दीजिए एमएलए फंड से मैं बजट एबेलेवल करा दूंगा। डूसिब ने वो स्टीमेट बना के दे दिये और मैंने वो एस्टीमेट यूडी डिपार्टमेंट को सब्मिट कराये। अब यूडी डिपार्टमेंट ये कहता है कि इनको सेंक्शन देने से पहले आप एमसीडी से एनओसी ले के आओ। मैंने एमसीडी डिपार्टमेंट से दोबारा कॉन्टैक्ट किया कि भई यूडी आपसे एनओसी मांग रहा है। एमसीडी डिपार्टमेंट कहता है कि जी हमारा इन कटरों से कोई लेना-देना नहीं है प्राइवेट कटरों तो हम एनओसी किस बात का दें। अगर हमने ही करना होता तो हम पहले ही आपको एस्टीमेट बनाकर दे देते। अब ये दो-तीन डिपार्टमेंट यूडी डिपार्टमेंट, एमसीडी और डूसिब इसमें आपसे में ये बातें लटक रही हैं, झूल रही हैं। एक-दूसरे के ऊपर, एक-दूसरे के पाले में बॉल फेंकी जा रही है और वहां रह रहे नागरिकों का जीवन नारकीय जीवन जी रहे हैं वो। लगातार रोज मिलने आते हैं। रोज अपनी कम्पलेंट फोन से भी दे रहे हैं। पर उन जगहों पे कुछ नहीं हो पा रहा। कॉमन स्पेज़, कॉमन टॉयलेट्स की हालत बहुत ज्यादा खराब है। मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि यूडी डिपार्टमेंट को ये निर्देश दिये जायें कि अननेसेसरी पब्लिक के कामों में रूकावट ना डालें। जनता बहुत परेशान है अपने कामों को लेकर। जन प्रतिनिधि अपने फँड से काम कराना चाहते हैं तो इससे यूडी को क्या तकलीफ है। इसलिए मेरी आपसे रिक्वैस्ट है संबंधित समस्या का समाधान कराने के उचित निर्देश दें। आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः Thank you Hon'ble chair for giving me an opportunity to talk about my constituency issues. I have been for past many years, I have been talking in this august Assembly about the Ambedkar Nagar hospital and this hospital has been built by Hon'ble Chief Minister Arvind Kejriwal ji. This hospital is of 600 beds and that require many other facilities for which I have been requesting Hon'ble LG sahib to provide adjacent space which is Virat park and I have been requesting him for past several years stating that this hospital need much more bigger facilities because you can imagine the 600 bedded hospital will have around 6000 foot fall in future and if we do not make sufficient arrangement then there will be a big chaos, there will be huge issues and we will not be able to manage those issues. For that, I have been requesting to give space which is Virat park where Delhi Govt. hospital can be extended and also we can build Cath lab, we can build resident doctor hostel, we can build parking there, we can build MRI and scan facility which are very much needed. But I think Hon'ble LG sahib is not listening me and I do not know what is his issues or what is his problem not giving that space for hospital. In recent past, Hon'ble LG sahib has come to my constituency to inaugurate one party hall that party hall was not

needed, that party hall is very expensive and I think the poor people of my constituency may not need that party hall. Therefore, I have been requesting several time and through your channel again, I request Hon'ble LG sahib that you have been visiting several places, you have visited my constituency. You have seen the tall hospital which will serve entire South Delhi, so please be marcifull, be kind on the people of South Delhi and allot or allocate that space or part space for the hospital facility because it is about people health, it is about people life, it is about Delhi people and Ambedkar Nagar people health and life. So, through your channel Hon'ble Chair, I would once again request LG sahib to please give this land, Virat Park land to hospital which is very much needed and which is very much asked for the past several years. Thank you, you have allowed me to raise this issue once again. Thank you so much.

माननीया अध्यक्षः जून जी।

श्री बी. एस. जूनः धन्यवाद स्पीकर मैडम। मैडम मेरे एरिया में वार्ड है कापसहेड़ा, मॉडल टाउन है बहुत छोटा वार्ड है और एक ही गांव है उसमें कापसहेड़ा-61 उसमें पानी का दिल्ली जलबोर्ड का कोई सोर्स नहीं है। पानी के लिए वो लोग या तो बोरवेल्स पे डिपेंड करते हैं और ग्राउंड वाटर कोई 600-700 फीट नीचे चला

गया। वो बोरवेल्स फेल हो जाते हैं। दूसरा है टैंकर्स पर डिपेंडेंसी है लेकिन टैंकर्स इतने दिल्ली जलबोर्ड के पास एवेलेवल नहीं हैं कि वो रिक्वायरमेंट को मीट कर सकें। मैडम एक यूनिक-सा आइडिया वहां प्राइवेट वॉटर सप्लायर ने किया। जैसे आपने देखा होगा कि इलैक्ट्रिसिटी के केबल्स जो हैं 10-15 फीट की हाइट पे इधर से उधर जाती है। उस गांव में पानी की पाइप लाईन प्राइवेट वॉटर सप्लायर ने 10 या 12 फीट की हाइट पर इधर से एक घर से दूसरे घर पर भेजी हुई हैं और वो प्राइवेटली पानी सप्लाई करते हैं और इन्ट्रैस्टिंगली उन्होंने उनको वॉटर मीटर भी दिये हुए हैं। ताकि उनकी वाटर कन्जंपसन रिकॉर्ड हो सके और फिर वो चार्ज करते हैं। हर महीने पर परिवार 10 से 15 हजार लीटर पानी वहां के लोग खरीदते हैं। मैंने कई बार लैटर लिखे कि इनका अलग से यूजीआर बनाया जाए। तो दिल्ली जलबोर्ड ने पहले स्टैंड लिया कि नहीं बिजवासन में जो यूजीआर बन रहा है वो ही इसको फीड करेगा। लेकिन that is not sufficient क्योंकि बिजवासन को adjacent area की इतनी पोपुलेशन है वो उन्हीं को कैडर करते हुए ही बहुत ज्यादा है और कापसहेड़ा की अपनी पोपुलेशन 5 लाख है। क्योंकि ज्यादातर लोग डूंडाखेड़ा जो इंडस्ट्रियल एरिया है उसमें काम करते हैं और रहते हैं कापसहेड़ा में। तो अब मैंने दोबारा से चिट्ठी लिखी तो उन्होंने दिल्ली जलबोर्ड ने एग्री किया इन प्रिंसिपल के हाँ यहां अलग से यूजीआर बनना चाहिए और डीसी लैंड एवेलेबल है वहां पर ऐसा नहीं कि लैंड नहीं है। लैंड भी है। एक साइड देखा था

लेकिन वो लिटीगेशन में थी तो अब दूसरी साइड उनको प्रपोज किया है। ये वाइस चेयरमेन बैठे हुए हैं हमारे भारती जी दिल्ली जलबोर्ड के और वॉटर मिनिस्टर तो अभी चली गई। मैं इनसे रिक्वैस्ट करूंगा कि एक बार आके उस गांव को विजिट करें। आपको एक इनोवेटिव आइडिया मिलेगा कि कैसे 10 फीट की हाइट पर पानी सप्लाई हो रहा है प्राइवेट वॉटर सप्लायर से। तो मेरी आपके माध्यम से यही रिक्वैस्ट है कि उस एरिया की वॉटर स्केयर सिटी देखते हुए उसकी कॉम्पलैक्स सिच्वेशन देखते हुए एक नया यूजीआर उनके लिए अलग से बनाया जाए। डीसी लैंड ऑलरेडी एवेलेबल है और खसरा नं0 भी दिया हुआ है ताकि जो 5 लाख की पोपुलेशन उस गांव की उस वार्ड की है उनको पानी की कमी से निजात दिलवाई जा सके और समर सीजन में तो हालात और भी बद्दतर होंगे। तो आपके माध्यम से ये रिक्वैस्ट है कि इस पर ध्यान दिया जाए। जलबोर्ड इस पर उचित कार्यवाही जल्द से जल्द करे। थैंक यू वैरी मच मैम।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। अब श्रीमती आतिशी जी, माननीय वित्त मंत्री द्वारा दिनांक 4 मार्च, 2024 को प्रस्तुत वार्षिक बजट पर चर्चा शुरु होगी, श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्षा जी आपने

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी चर्चा शुरु करें।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद आपने मुझे दिल्ली के बजट पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्षा जी, आपने जो बजट जो माननीय मंत्री आतिशी जी ने पेश किया और जिसकी रूपरेखा माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने रखी उसकी जो केन्द्र बिन्दू थी वो रामराज्य थी। हम लोग अक्सर इस बात पर बात करते हैं कि ये रामराज्य क्या है। बड़े आराम से बोल देते हैं रामराज्य और आजकल तो जहां आप जाएंगे इसी बात को सुनेंगे रामराज्य, रामराज्य। अगर आप इसे पढ़ेंगी तो जो वाल्मिकी जी ने रामायण में लिखा है, भगवान वाल्मिकी जिन्होंने इतने सुंदर काव्य की रचना की। उन्होंने इसमें छह विशेषताएं बताई, इस काल में सभी सुखी हैं, सभी कर्तव्य परायण हैं, सभी दीर्घायु हैं, सभी में दांपत्य प्रेम है, प्रकृति उदार है और सभी में नैतिक उत्कर्ष देखा जा सकता है। जब तुलसीदास जी ने उसको अवधी भाषा में लिखा तो कि शीर्ष सौन्दर्य और शक्ति से संपन्न राम तुलसी के अराध्य हैं और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। एक आदर्श शासन व्यवस्था है जिसके अंतर्गत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, दार्शनिक, साहित्यिक हर परिस्थिति अपने आदर्श रूप में है। जब हम इस बजट को देखते हैं और इससे कंपेयर करते हैं इसकी तुलना करते हैं कि जो ये चीजें भगवान राम के बारे में भगवान वाल्मिकी जी ने लिखी या तुलसीदास जी ने जिसका वर्णन एक सरल भाषा में करा क्या दिल्ली का बजट उन कसौटियों पर खरा उतरता है क्योंकि हमने तो इसे कहा कि ये रामराज्य का बजट

है। मैं आपके सामने जब ये ऐसा हम सोचते हैं तो हम कैसे पता कर सकते हैं हम लोग तो विधायक हैं शायद हमारे पास में कुछ ऐसी सुविधाएं हैं कि हम ये नहीं समझ पाते कि एक आम आदमी का भी एक बजट होता है। जिस तरीके से सरकार एक बजट बनाती है उसी तरीके से एक आम आदमी का भी एक बजट होता है जिस तरीके से सरकार बजट बनाती है उसी तरीके से आम आदमी का भी बजट होता है। वो बजट हम लोगों के लिए शायद फिर भी आसान हो और अधिकारियों के लिए तो शायद बहुत ही आसान हो क्योंकि जिनके पास में टीए भी है, डीए भी है, मैनेज करने के लिए पीए भी है और कोई अगर उसमें भी दिक्कत आ जाए तो बहुत सारे सीए भी हैं तो वो इस बात को नहीं समझ सकते कि बजट होता क्या है। उनके लिए करोड़ों की बातें करना बजट है लेकिन एक आम आदमी के लिए जिंदगी को बचाना अपनी मर्यादा, अपनी इज्जत, अपने सम्मान को बचाकर रखना वो बजट है। मैं आपके सामने ये कुछ बिल लाया हूं और मैं इसलिए लाया कि मैं ये जानना चाहता था कि बजट दरसल एक गरीब आदमी के लिए किस तरीके से है तो जिस दिन वो बजट आया मैंने कुछ लोगों से बात करी, गरीब आदमी से क्योंकि वो बहुत देख रहे होते हैं देखते सब हैं बजट को अमीर देखता है कि मुझे क्या फायदा मिलेगा, मिडिल क्लास भी देखता है लेकिन गरीब आदमी के लिए जैसे मैंने कहा कि जिंदगी को बचाने का उसकी जिंदगी फंस सकती है। जरा सी देर में सरकार की कोई ऐसी नीति आ सकती है कि

वो बर्बाद हो सकता है उससे। आप होम लोन पर बढ़ा दीजिए जो केन्द्र सरकार के हाथ में है या कार लोन पर बढ़ा दीजिए वो परेशान हो जाता है। तो दिल्ली के बजट के बारे में जब बात करी तो मैंने सबसे पहले किससे बात करता तो मैंने अपने ड्राइवर से पूछा। मैंने पूछ की भई ये बजट तुम्हारे लिए कैसे है, तो वो तो बड़ा नाच रहा था बहुत खुश हो रहा था। मैंने कहा भई तुम्हें इससे क्या फायदा हुआ कैसे तुम इसे मुझे बता सकते हो अपनी आम भाषा में। ये बाद में हम किताबें उठाकर हम करोड़ों की बातें क्योंकि अखबार में भी वही छपेगा इतने हजार करोड़ इतने सौ करोड़ लेकिन एक आम आदमी को इसमें क्या फायदा हो रहा है। तो उसने मुझे कहा जी मेरा जो बिजली का बिल है ये मैं आपके सामने सदन पर रखना चाहता हूं ये 6 महीनों का बिल है इस 6 महीनों से मेरे ड्राइवर का कोई बिल नहीं आया, लगातार जीरो आ रहा है। ये आखिरी बिल भी जीरो है लगातार सब्सिडी सरकार की दिख रही है माइनस 751, माइनस 900, माइनस 1042, माइनस 839, माइनस 723, माइनस 1011 माइनस मुझे नहीं लगता पूरी दुनिया में कोई ऐसी सरकार होगी जहां पर किसी के बिजली का बिल जीरो में आए न आए ये ही बहुत बड़ी बात है। ये जीरो इसलिए है कि सरकार ने ये बिल को भरा, बिल तो आ रहा था लेकिन सरकार ने उस बिल को भरा। उसका पानी का बिल जीरो आ रहा है, वो भी जीरो है। उसके आगे जो उसकी धर्मपत्नी है वो बवाना जाती है आजादपुर से कैलाश जी आजादपुर से बवाना जाती है 40 रुपये बस

के लगते हैं 4 दिन की छुट्टी है 3 दिन में 26 दिन की कैलकुलेशन करी जाए 1000 रुपये के करीब होते हैं वो 1000 रुपये उसके फ्री हो गये, वो 1000 रुपये हमने बचा लिये सरकार से। उसके बाद में कहीं भगवान न करे घर में कोई बीमार हो जाता है प्राइवेट हॉस्पिटल के अंदर 2 हजार रुपये लगते हैं, सरकारी के अंदर वो फ्री था लेकिन उनके धक्के इतनी परेशानियां थी दवाइयां बाहर की लिख देते थे टैस्ट बाहर के लिख देते थे। मैं एक ऑनएन एवरेज पकड़ लेता हूं तो हजार रुपये तो लग ही जाते थे इससे कम नहीं होगा। अगर वो किसी क्वैक पर जाएगा किसी नीम-हमीम पर भी जाएगा तो उसके इतने पैसे लग जाने थे क्योंकि वो टैस्ट या दवाई बाहर की लिखते थे वो भी उसके बच गये। मैं 1000 रुपये उसके मान लेता हूं उससे कम तो होंगे नहीं। हमने वाईफाई भी लगाए थे आपको याद होगा 500 रुपये वो उससे बचा लेता था। इसके साथ में कैमरे लगा दिये जिसकी इसमें कोई व्यवस्था की हम बात कर नहीं रहे क्योंकि क्या बचा के गरीब आदमी अपनी सुरक्षा क्या करता। बच्चे उसके सरकारी में पढ़ते हैं शायद वो पहले भी सरकार में पढ़ते हैं, मैं ये नहीं कह रहा कि वो उस वक्त प्राइवेट में पढ़ा लेता वो नहीं पढ़ा पाता। एक बच्चे का खर्चा तकरीबन साढ़े चार हजार रुपये मिनिमम फीस का है। इसके अलावा जो खर्चे हैं वो अलग हैं, उसके अलावा वो खर्चे कुछ अलग हैं। तो आप इन सब चीजों को जब जोड़ेंगे, जोड़ते जाइये तो 1200 रुपये, हजार, हजार 1200 मैंने बिजली के जोड़े, 600 रुपये पानी के, 500 रुपये

वाईफाई के, 1000 रुपये बस के जब आप इन्हें जोड़े चले जाएंगे तब आपको ये महसूस होगा कि उसकी तनख्वाह मैंने बढ़ाई या नहीं बढ़ाई लेकिन उसकी तनख्वाह के अंदर जो खर्चा था उसमें कितना बैंलेंस कर दिया है इस बजट में। और उसकी धर्मपत्नी ने मुझे एक बात कही जिसकी मुझे सबसे ज्यादा खुशी है, मुझे लगता है इस सदन को खासकर के हमारी जो महिला साथी हैं इनको सबसे ज्यादा खुशी होनी चाहिए इस बात की कि उसके दो लड़के हैं और उसकी पत्नी ने मुझे कहा कि भईया मुझे पहली बार अफसोस हो रहा है कि मेरी लड़की क्यों नहीं है क्योंकि 1000 रुपये सरकार दे रही है अब कि अगर लड़की होती और जब वो 18 साल की होयेगी तो 1000 रुपये देखिये गरीब आदमी के लिए वो 1000 रुपये बहुत हैं, बहुत बड़ा अमाउंट है वो 1000 रुपये। अगर किसी की दो बच्चियां होती हैं साथ में बीवी है तो 3000 रुपये हो गये। एक बहुत बड़ा सपोर्ट सिस्टम सरकार उनके लिए खड़ा करके दे रही है और यही तो सरकार है। सरकार होती किसलिए है इसीलिए होती है जो आदमी वोट डालने जाता है इस उम्मीद के साथ में जाता है कि यार मेरा कुछ भला हो जाएगा, मुझे कुछ फायदा हो जाए, मेरी जिंदगी कुछ आसान हो जाए और जैसा मैंने कहा कि जिनके पास टीए, डीए, पीए और सीए हैं वो इन चीजों को नहीं समझते क्योंकि जूता कहां काट रहा है ये उसी को पता लगता है दिलीप भाई के लिए है कि जूता कहां काट रहा है तभी पता लगता है जो जूते को पहनता है जिसको पता ही नहीं है उसे क्या पता। ये जो सारी

चीजें आपके सामने रखी गई हैं 76 हजार करोड़ के बजट में हम बहुत कुछ और भी कर सकते थे अफसोस इस बात का है कि केन्द्र सरकार हमको जो 2003 से 325 करोड़ पर अटक कर खड़ी थी उसके आगे देती नहीं थी। अगर वो हमारा शेयर दें जो शेयर बनता है वो 7200 करोड़ रुपये होता है जो वो नहीं दे रहे और पिछले साल तो वो भी नहीं दिये। अगर ये आते तो कुछ और हम वेलफेयर की स्कीम्स चलाते, कुछ और फायदे की जनता को फायदे देते वो हमको वो दे नहीं रहे हैं लेकिन उस सबके बावजूद जिस तरीके से इस रामराज्य की परिकल्पना के अंदर हमने इस बजट को पेश करा है जहां पर सब लोग खुश रहें, सब लोग हंसें। कैसे आदमी खुश होगा जिसके घर में पैसा नहीं होगा, जिसका बच्चा पढ़ नहीं पाएगा, जिसके घर में कोई बीमार है उसका इलाज न हो पाए तो वो कैसे। उसमें लिखा था दाम्पत्य जीवन अच्छा रहे कैसे रहेगा मियां-बीवी रोज झगड़े करेंगे पैसे नहीं होंगे तो। वो कहेगी मेरे बच्चों के लिए दूध लेकर आओ उस पर पैसे ही नहीं है बेचारा कहां से लेकर आएगा। तो जितनी परिकल्पना ये 6 विशेषताएं थीं रामराज्य में, सभी अपने धर्म का पालन कर सकें अरे कैसे करेगा अरे कहीं जाएगा, आएगा कहीं पूजा पाठ करेगा। अब अरविंद केजरीवाल जी ने उसके लिए भी फ्री आपने देखा ट्रेन चलाई के जाकर आप अपने धर्म का भी पालन कर सकें। तो रामराज्य की जो कसौटियां थीं जिसको हमने देखा, हमने पढ़ा, हमने समझा और मुझे लगता है कि उसको चरितार्थ अगर किसी ने करा तो अरविंद केजरीवाल जी ने

करा। उसी तरीके से उस बजट को उसके अंदर लेकर आए और आज जो आप देख रहे हैं जो मैंने इस तरीके से आपको बताया कि जो सबसे गरीब आदमी है वो चीज से जो सबसे ज्यादा खुश हो रहा है वो हो रहा है। मैं अपनी बात को यहां कहकर खत्म करना चाहूंगा कि रामराज्य के अंदर दैहिक, दैविक और भौतिकता किसी को नहीं व्यापत है सभी आपस में प्रेम करते हैं और वेदों में बताई हुई मर्यादा में तत्पर रहकर अपने-अपने धर्म का पालन करते हैं। मुझे लगता है कि दिल्ली सरकार, दिल्ली सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार के सारे विधायक अपनी इस मर्यादा को समझते हैं अपने कर्म को और धर्म को समझते हैं इसलिए रोज यहां पर आकर अपने सवाल लगाते हैं अपने क्षेत्र की समस्याओं को सामने रखते हैं। मैं चाहूंगा और आपसे प्रार्थना करूंगा कि हमारे अधिकारी भी इस कर्म और धर्म को समझें कि उनका क्या है। विपक्ष भी अपने काम को करे और सभी खुश होकर इस दिल्ली को, इस देश को वहां ले जाएं जहां की कल्पना विश्व गुरू की हम करते हैं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः सुरेन्द्र कुमार जी।

श्री सुरेंद्र कुमारः आदरणीय अध्यक्षा, आपने दिल्ली के बजट पर बोलने का मौका दिया आपका मैं धन्यवाद करता हूं। आदरणीय अध्यक्षा, ये जो बजट है दिल्ली का सबसे पहली बार बजट दिल्ली में जिसमें मानवता, इंसानियत और नैतिकता दिखाई देती है क्योंकि

आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी ने जो ये बजट आतिशी के द्वारा देने का काम किया गया। इस बजट की एक पहली महत्वता यह होती है इसमें सीधा बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर का संविधान दिखाई देता है क्योंकि इस संविधान में एक गरीब व्यक्ति को रोजी-रोटी, कपड़ा-मकान, बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, स्वास्थ्य फ्री महिला सम्मान की बात आती है। तो सबसे पहले तो मैं हमारी वित्त मंत्री ने जो भारतीय महिला को जो सम्मान देने का काम किया है एक बहुत बड़ा काम किया है क्योंकि देश में पहली बार हुआ है और बड़ी खुशी की बात है दो-तीन दिन से जैसे महिलाएं हमारे पास आ रही हैं तो वो कहने लगीं कि कबसे शुरु होंगी 1000 रुपये की जो महिला सम्मान राशि दिल्ली सरकार देने जा रही है, उनमें खुशी की लहर है क्योंकि एक परिवार में दो बच्ची भी हैं, तीन लड़कियां भी हैं तो यदि तीन लड़कियां 18 और 50 उसके साथ-साथ हमारी कुछ महिलाएं ऐसी रहीं जिनकी जो वृद्धा पेंशन नहीं बन पा रही थी उनको भी मिलने का एक अच्छा मौका मिला क्योंकि वृद्धा पेंशन बंद होने की वजह से उनको पेंशन नहीं मिल पाई वो भी महिलाएं इसमें शामिल हो जाएंगी। तो कहने का तात्पर्य यह है कि प्रत्येक दिल्ली की आधी आबादी को जो सम्मान देने का काम किया है मैं आदरणीय सीएम साहब अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद देता हूं और दिल्ली सरकार निश्चित तौर से इस देश की पहली ऐसी सरकार बनी जिन्होंने ये साबित किया कि वास्तव में बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के इस संविधान रामराज्य की बात

उसमें रखने का काम किया गया। क्योंकि एक संदेश जाता है, बाबा साहब ने कहा था हम उस सरकार को वोट दें जो हमारे कल्याण की बात करे, जो हमारे हित की बात करे, जो मानवता की बात करे, जो इंसानियत की बात करे। जो आखिरी पायदान पर जो खड़ा व्यक्ति उसके सम्मान की बात करते हैं उसी को वोट देना चाहिए। तो आज हमारी दिल्ली के प्रत्येक परिवार को कम से कम पहले तो 15 से लेकर 20 हजार रुपये का फायदा हो रहा था अब मुझे लगता है कि 20 हजार से लेकर 23 हजार रुपये का फायदा प्रत्येक परिवार को होगा क्योंकि हमारी छोटी-छोटी बेटियां जो क्लास में जाती हैं और पढ़ती हैं तो निश्चित तौर से उनको कॉपी तमाम चीज की जरूरत पड़ती है, ड्रैस की जरूरत पड़ती है उनमें काफी उनको राहत मिलेगी। तो मैं तो यही कहना चाहता हूं हमारी सरकार आज विश्व विख्यात है, दिल्ली का विकास मॉडल की पूरे देश में चर्चा होती है और अब तो चर्चा जन-जन में होने लगी है क्योंकि हमने सीता को भी सम्मान दिया है, हमने राम को भी सम्मान दिया है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी तो केवल राम को सम्मान देती है लेकिन ये पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने सीता की बात करने का मतलब सीधा संदेश जाता है कि उन्होंने इस प्रदेश की महिलाओं को जो सम्मान देने का काम किया तो हमने सीता माता को भी सम्मान देने का काम किया है। आपने देखा होगा जब मोदी जी मंदिर की तरफ जाते हैं अयोध्या की तरफ को लेकर जाते हैं तो उसमें राम छोटे दिखाई देते हैं और मोदी जी बड़े दिखाई देते हैं।

ये हुआ सबने देखा उसको लेकिन उसमें सीता का कहीं जिक्र नहीं होता है और मोदी जी ने जब महिलाओं को सम्मान अपनी पत्नी को सम्मान यदि नहीं दिया तो देश की महिलाओं को कैसे सम्मान दे सकते हैं। ये एक सीधा संदेश जाता है कि वास्तव में अरविंद केजरीवाल जी ने इस देश की महिलाओं को जो सम्मान देकर नवाजा है पहले ऐसे देश के निश्चित तौर से मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने इस बात को साबित करके दिखाया कि हम वास्तव में महिला सशक्तिकरण की तरफ हम कदम उठा रहे हैं और उन महिलाओं को सम्मान देने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं को देखो अभी हमारी तमाम महिला डीटीसी में जाती हैं। यदि उत्तर प्रदेश से भी आती हैं, हरियाणा से भी आती हैं, यूपी से भी आती हैं सभी महिलाएं फ्री यात्रा करती हैं। तो ये देश की सभी महिलाओं का हमारे यहां इस देश की राजधानी में सम्मान मिलता है और अब आप देखना कि तमाम हमारे आसपास के जो प्रदेश लगते हैं। हमारे यहां अब वो पहचान पत्र बनायेंगी लड़कियां आकर, अपने रिश्तेदार के बनायेंगी, राशनकार्ड बनवायेंगी, आपका अपना आधार कार्ड बनवायेंगी किसलिए सम्मान के लिए। तो ऐसी आदरणीय दिल्ली सरकार हमारी निश्चित तौर से हमारी महिलाओं को शिक्षा में भी उन्होंने सम्मान देने का काम किया गया। स्वास्थ्य के विभाग में जाकर देखो प्रत्येक महिला, आप मोहल्ला क्लीनिक में जाकर देखो 80 परसेंट महिलाएं वहां इलाज कराने आती हैं। उन पर जो महिला हमारी जो डिस्पेंसरी हैं 80 परसेंट उनमें हमारी महिलाओं को सम्मान देने का काम हमारी

दिल्ली सरकार करती है। तो आज हम कहने वाले जय सियाराम कहने वाले और भारतीय जनता पार्टी कहने वाले जय श्रीराम। उन्होंने राम को दो हिस्सों में बांट दिया भारतीय जनता पार्टी ने, मोदी जी ने दो हिस्सों में बांटा है। हम जय सियाराम कहने वाले हैं, हम माता सीता का भी सम्मान करते हैं और भारतीय जनता पार्टी मोदी जी केवल जय श्रीराम की बात करते हैं। तो सीधा यही एक दिशा जाती है कि निश्चित तौर से आम आदमी पार्टी महिलाओं को सम्मान देकर उन्होंने एक इतिहास लिखा है और इतिहास आगे याद किया जाएगा। तो आपसे मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि हम सब मिलकर ऐसी सरकार को हम बार-बार बनाना चाहते हैं। अब अपने आप आवाज आने लगी है अपने आप आवाज आने लगी कि देश का मुख्यमंत्री भी अरविंद केजरीवाल जैसा होना चाहिए। ये मैं नहीं कहता प्रधानमंत्री होना चाहिए देश का प्रधानमंत्री भी हमारी महिलाओं की आवाज आने लगी और जब बहनों की आवाज आती है, माताओं की आवाज आती है, उनकी दुआएं होती हैं तो सन् 2029 में ये निश्चित साबित हो गया आज इस बात को डेट लिख लेना 2029 के प्रधानमंत्री अरविंद केजरीवाल जी बनेंगे क्योंकि इन्होंने देश की जनता को, देश की महिलाओं को ये साबित कर दिया कि दिल्ली की सरकार के बजट में यदि यहां पर देश में सरकार बनती है तो पूरे देश की महिलाओं को एक हजार रुपये देने का काम आम आदमी पार्टी की सरकार करने का काम करेगी। तो तमाम बजट पर यही कहना चाहता हूं कि निश्चित तौर से आज हमारे

स्कूलों को फाइव स्टार जैसे हमारे स्कूल हैं चर्चा की जाती है स्कूलों की। इस बजट का 25 परसेंट खर्चा हमारी सरकार बच्चों की शिक्षा के ऊपर करती है क्योंकि शिक्षा वो शेरनी का दूध है जितना पियेगा उतना दहाड़ेगा। इसकी तरफ दिशा देने का काम अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने देने का काम किया है। आप स्वास्थ्य को देखें हमारे जैसे बढ़िया फाइव स्टार जैसे हमारे हॉस्पिटल हैं जिन पर दवाइयां फ्री मिलती हैं। ये देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने इस बात को साबित करा बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, स्वास्थ्य फ्री, तमाम चीज देने की प्रथा देश के पहले मुख्यमंत्री देने का काम किया तो आज देश की नजरें केवल और केवल अरविंद केजरीवाल जी की तरफ देखती हैं। उनका विश्वास बनता जा रहा है कि निश्चित तौर से पूरे भारत के लोग, पूरी इंडिया के लोग आज अरविंद केजरीवाल जी की तरफ देख रहे हैं और उन्होंने ये साबित करके दिखाया कि वास्तव में रामराज्य की बात करने के साथ-साथ बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के संविधान के सम्मान की बात उन्होंने रखने का काम किया। बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के संविधान में यही हमें अधिकार मिले हैं रोजी, रोटी, कपड़ा, मकान, बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, स्वास्थ्य फ्री, डीटीसी फ्री ये तमाम चीजें मिलने का काम किया गया। एक मेरे यहां महिला रहती थी तो आदरणीय अध्यक्षा हम वोट मांगने गये उनके पास तो उसके घर पर एक मंडल अध्यक्ष का एक छोटा सा बोर्ड लगा हुआ था तो वो यहां पर सेंट्रल सेक्रेट्रीएट में सर्विस करती है उसने कहा कि

भईया इस बार तो मैंने अरविंद केजरीवाल जी को वोट देना है क्योंकि मुझे 6 हजार की मेरी बचत हुई है। मैं आने–जाने में जो जाती थी डीटीसी में मेरे 6 हजार रुपये मुझे 22 हजार रुपये तनख्वाह मिलती है कांट्रेक्ट पर यदि छुट्टी ज्यादा पड़ जाए तो तो 18 ही रह जाती थी तो उसमें 6 हजार की जब उसको बचत हुई और उसने इस बात को साबित करा कि इस बार उन्होंने, उन्होंने मेरे सामने अपना वो नेम प्लेट लगी हुई थी मंडल महिला अध्यक्ष का उसने उसको उतारा और तुरंत उतारने के बाद भैया मैं आपसे इस बार मैं केवल केवल झाड़ू को वोट दूंगी और अब तो खुशी की और उसके यहां दो बेटियां भी हैं दो बेटियों को और दो हजार रुपये दें, उनको बढ़ावा मिलेगा। घर के खर्च मे काम आएंगे उनके सेल्फ जो खर्च होता है लड़कियों को उसमें समस्या हल होगी। तो आपसे मैं कहना चाहता हूं माननीय अध्यक्ष जी ये सरकार वास्तव मे रामराज्य की सरकार है, ये सरकार बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के मानने वालों की सरकार है जिसमें तमाम मौलिक अधिकार देकर आम आदमी पार्टी की सरकार ने देने का काम किया। ये जो बजट है पूरा दिशा देने का काम करता है। ये मानवता इंसानियत का बजट है और ये जो महिलाओं को सम्मान मिला है ये सम्मान जाति, धर्म, दल, मजहब से उठकर क्योंकि सभी पार्टी की महिलाओं को ये एक हजार रुपये मिलने का काम होगा चाहे कांग्रेस की महिला हो या कार्यकर्ता हो या भाजपा की कार्यकर्ता हो सभी को मिलने का काम होगा। तो मैं ये कहना चाहता हूं आतिशी जी ने जो बजट

पेश किया है ये वास्तव में मानवता इंसानियत को संदेश देता है और जाति, धर्म, दल, मजहब से उठकर ये सभी के सम्मान की बात करी है। तो आपने मुझे इस पर बोलने का आदेश करा, आपका धन्यवाद।

माननीया अध्यक्ष: राजेश ऋषि जी, समय सीमा का ध्यान रखें।

श्री राजेश ऋषि: धन्यवाद अध्यक्ष महोदया। अध्यक्ष जी, आज आपने मुझे एक ऐतिहासिक बजट पर बोलने का मौका दिया है मैं उसका बहुत बहुत आपको धन्यवाद करते हैं, आभार व्यक्त करता हूं। केजरीवाल सरकार की वित मंत्री आतिशी जी ने अपना पहला और अरविंद केजरीवाल सरकार का 10वां बजट पेश किया। यह बजट 76 हजार करोड़ का है। केजरीवाल सरकार ने 10 सालों में दिल्ली की जनता ने बहुत बड़ा बदलाव देखा केजरीवाल सरकार में। जबसे केजरीवाल सरकार आई, लोगों ने सोचा भी नहीं था कि ये सरकार उनके घर में पानी पहुंचा देगी, उनकी गलियां बना देगी, और उनके लिये इतनी सारी सुविधायें देगी। हमारी वित मंत्री आतिशी जी ने राम राज की परिकल्पना को साकार करने वाला बजट बनाया ये काबिल-ए-तारीफ है। ये ऐतिहासिक बजट है जनता की उम्मीदों का, इस बजट में जनता का ध्यान रखा गया, इसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया, इसमें दिल्ली की महिलाओं का, दिल्ली के प्यारे-प्यारे बच्चों के भविष्य का ध्यान रखा गया। 76 हजार करोड़ के बजट में दिल्ली के भविष्य को बनाने के लिये हमारी वित मंत्री ने शिक्षा के

लिये 16 हजार 396 करोड़ आवंटित किये। 'जब होगा शिक्षित राष्ट्र, तभी बनेगा विकसित राष्ट्र'। हम अपने देश को विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं लेकिन शिक्षा की इतनी बुरी स्थिति हिंदुस्तान के अंदर है। मैं एक बार गुजरात गया था, गुजरात में एक छोटा नागपुर जगह है छोटा उदयपुर। वो बिल्कुल बार्डर एरिया है मध्य प्रदेश का। तो मैं जब वहां गांव में गया तो मैं देख के हैरान हो गया कि न वहां सड़कें हैं, न लाईट है, वही पुराने मकान बने हुए, वहां मुझे एक बुजुर्ग मिले मैंने उनसे पूछा आपके यहां पर स्कूल कहां पर है। बोले यहां से 25 किलोमीटर। मैंने कहा आपका अस्पताल कहां पर है, कह रहे यहां से 20 किलोमीटर, तो मैंने कहा अगर रोड इतना बुरी हाल में है अगर कोई बीमार हो जाता है तो कैसे लेकर जाते हो? कह रहे जी बहुत बुरी स्थिति हो जाती है यहां से ले जाने में। हम कहते हैं गुजरात बहुत तरक्की कर रहा है। अरे किस चीज की तरक्की कर रहा है, आपके गांव में स्कूल नहीं है, 6 हजार स्कूल गुजरात के बेचे जा चुके हैं सरकारी और खरीदने वाली भी कौन थी जो पुरानी मुख्यमंत्री आदिति बेन थी क्या नाम था उनका मेरे को ध्यान नहीं आ रहा, उन्होंने खरीदे। तो ये स्थिति रही वहां की। सोलह हजार 396 करोड़ का जो बजट दिया शिक्षा को, शिक्षा में एक बहुत बड़ा बदलाव लेकर आयेगा। हम लोग कहते हैं हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं हम विश्वगुरू बनेंगे, विश्वगुरू बनेंगे। आप बताईये विश्वगुरू बनने के लिये पहले पढ़ना भी तो पड़ेगा। लेकिन अरविंद केजरीवाल सरकार ने शिक्षा में ऐसा एक बदलाव किया

जिसको आज पूरा हिंदुस्तान देख रहा है, पूरी दुनिया देख रही है कि शिक्षा दिल्ली के अंदर ऐसे उच्च स्तर पे पहुंच गयी। 2015 में जब हमारी सरकार बनी तो हम लोग स्कूलों में जब जाते थे देख के हैरान हो जाते थे कि स्कूलों के अंदर टॉयलेट के बुरे हाल, क्लासिज़ में जाओ प्लस्तर झड़ रहा है, पंखे ऐसे मुड़े हुए हैं, खिड़की के शीशे नहीं हैं, पीछे जो ब्लैकबोर्ड जिस पर पढ़ाया जाता है वो बोर्ड भी बिल्कुल व्हाईट हो चुके थे, जो पीछे बैठते थे बच्चे उन्हें कुछ दिखता ही नहीं था, बैंचें टूटी हुई थीं, इतने बुरे हाल में केजरीवाल सरकार को ये स्कूल मिले थे। हमें याद है एक समय था जब टेंट के स्कूल होते थे, फिर टीन टप्पर के स्कूल बनें। लेकिन आज हम बड़े गर्व के साथ सबके बीच में खड़े हो के बोलते हैं कि दिल्ली के स्कूल वर्ल्ड क्लास स्कूल हैं। मेरे यहां भी एक डेसू कालोनी के अंदर स्कूल बना है बाबा भीम राव अम्बेडकर specialized excellence school इस स्कूल की बिल्डिंग आज दिल्ली में जितने स्कूल बनाये हैं उनसे सबसे बढ़िया बिल्डिंग है। Airconditioned multi-purpose hall है, दो लिफ्ट लगी हुई हैं, नीचे में पूरे में पार्किंग है, इतना शानदार स्कूल बना है और साथ ही साथ इस स्कूल के अंदर वर्ल्ड क्लास स्टडी भी हो रही है। मुझे बड़ा गर्व होता है कि मेरे एक सी-4ई में सर्वोदय कन्या विद्यालय है। इस विद्यालय की एक बेटी पूजा झा ये आईएएस पास कर गयी, ये हमारे लिये बड़े गर्व की बात है कि हमारे एक सरकारी स्कूल से एक लड़की पढ़ने के बाद आईएएस हो जाती है। ये सबसे बड़ी

चीज है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब हमारी सरकार बनी थी उस समय स्थिति ये थी कि छठी क्लास के बच्चों में एक बार हंगामा हो गया, मैं स्कूल में बुलाया गया, मैं स्कूल में गया तो प्रिंसिपल साहब बोले इनसे अपना नाम लिखवा लो हिंदी इंग्लिश में मैं इसको पास कर दूंगा छठी में। यानि कि उस समय की स्थिति इतने बुरे हाल में थी कि बच्चे अपना नाम ही नहीं लिख सकते थे। फिर क्या हुआ, आज की स्थिति बताता हूं आपको। मैं एक किसी कार्यक्रम में गया हुआ था तो एक बच्ची छोटी सी मेरे पास आई, उसने मेरे से हाथ मिलाया और उसने बड़े प्यार से मुझ से पूछा how are you sir? मेरे को देख के बड़ा अचम्भा हुआ। मैंने उससे इंग्लिश में बात की, उसने सारा इंग्लिश में कन्वर्सेशन किया। मैंने उससे पूछा कि तुम पढ़ती कहां हो तो बोली सर मैं SKV, No. 1, A Block में पढ़ती हूं। तो मैं ये देख के हैरान था कि छठी क्लास का बच्चा इंग्लिश में नाम नहीं लिख सकता था और वो लड़की इंग्लिश में कन्वर्सेशन कर रही है मेरे साथ। मैंने उससे पूछा तुम जिंदगी में बनना क्या चाहती हो, कह रही मेरा बहुत बड़ा मिशन है। इतनी छोटी सी बच्ची मुझे कहती है बहुत बड़ा मिशन है मैं एक आईएएस अफसर बनना चाहती हूं। फिर मैंने उसे बताया कि हमारे यहां से एक ऑलरेडी आईएएस अफसर निकली है और मैंने कहा आप जरूर बनेंगी। तो ये शिक्षा का बदलाव आपके सामने देखने को मिल रहा है। बाबा साहब ने भी कहा था शिक्षा ऐसा शेरनी का दूध है जो पीयेगा वो दहाड़ेगा। हमें बताया जाता था कि

शिक्षा के क्षेत्र में जितने भी स्कूल अब बंद हो रहे हैं सरकारी वो नेता लोग इसलिये बंद कर रहे हैं क्योंकि अगर बच्चे पढ़ लिख गये तो वो उनसे हिसाब मागेंगे और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल कहते हैं बच्चे पढ़लिख जायेंगे तभी वो देश को आगे बढ़ायेंगे। आज हम सब लोग यहां पर बैठे हैं कोई नेता नहीं है इसके अंदर, मैं भी नेता नहीं, कोई भी नेता नहीं, आप भी नेता नहीं हैं लेकिन अरविंद केजरीवाल जी ने बहुत बढ़िया बात कही थी कि हमें ऊपर वाले ने किसी मकसद से यहां भेजा है और ये मकसद यही है कि हम शिक्षा में एक बहुत बड़ा बदलाव लेकर आये हैं। आज इसकी प्रशंसा हर जगह होती है। हमारी वित मंत्री श्रीमती आतिशी जी ने स्वास्थ्य के लिये 8 हजार 686 करोड़ रूपये आवंटित किये हैं। ये 8 हजार 686 करोड़ एक बहुत बड़ी रकम है। दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाएं बहुत बुरे हाल में थी 2015 के अंदर लेकिन हमारे स्वास्थ्य मंत्री थे सत्येंद्र जैन जी, उन्होंने बहुत मेहनत करी और अरविंद केजरीवाल जी ने भी पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी बनाये, उनके द्वारा सारे क्षेत्र में काम शुरू हुए। मेरे यहां भी एक जनकपुरी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल था जिसको हम सफेद हाथी कहा करते थे चुनाव में, ये चलता ही नहीं है, बंद पड़ा है, बंद पड़ा है। लेकिन सत्येंद्र जैन जी के आने के बाद और मुझे पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी हैल्थ बनाया था हमने पीछे पड़कर उस हॉस्पिटल को चालू किया। आज मैं बड़े गर्व के साथ कहता हूं कि जनकपुरी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल वर्ल्ड क्लास हॉस्पिटल है, इसके अंदर हार्ट के लिये एक फिलिप्स कंपनी

की बहुत ही आलीशान और माडर्न लैब लगी हुई है जिसमें पेस मेकर सारे काम होते हैं। अभी हमारे उस पर सात नये ऑपरेशन थियेटर बने हैं। अगर आप उस ऑपरेशन थियेटर में चले जायेंगी तो आपको लगेगा नहीं कि आप दिल्ली सरकार के हॉस्पिटल में हैं, ऐसे लगेगा कि मेदांता में खड़े हैं। बहुत ही शानदार बने हैं, अभी बहुत जल्दी चालू होने वाले हैं। हमारे यहां कैंसर इंस्टीट्यूट हैं उसके अंदर बहुत बढ़िया कीमो होती है, सब होती है। ये एक सपना होता था कि ये हॉस्पिटल चलेंगे। हमको भी लगता था कि ये इतने साल से बंद पड़ा है चलेगा कैसे लेकिन सत्येंद्र जैन जी दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने इसको चलाया। मैं आज उनको सलाम करता हूं कि उन्होंने इतना बड़ा काम करके दिया।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिये ऋषि जी।

श्री राजेश ऋषिः मैडम आज बोलने दो। मैं तो बहुत कम बोलता हूं।

माननीया अध्यक्षः मैंने कल भी बुलवाया था आपको।

श्री राजेश ऋषिः जिससे इसमें 194 करोड़ रुपया एंबुलेंस के लिये दिया है। मैं इसके लिये बहुत बहुत धन्यवाद करूंगा क्योंकि मैंने भी कई बार देखा कि एंबुलेंस की कमी के कारण कई बार फोन करते रहते हैं एंबुलेंस पहुंचती नहीं है। अब तो मेरे सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में तीन एंबुलेंस खड़ी रहती हैं जो आसपास

विकासपुरी सब जगह से कहीं से भी फोन आता है वहां तत्काल पहुंचती हैं और मनीष सिसोदिया जी ने इसमें एक ऐसा सिस्टम डव्लप किया कि जहां भी एंबुलेंस जायेगी एक मॉनिटरिंग सेंटर के अंदर साफ नजर आता है ये एंबुलेंस कहां पहुंच गयी, कहां जा रही है। तो ये आधुनिकता के आधार से यानि माडर्न जो युग इस समय चल रहा है उस हिसाब से इन एंबुलेंस को मॉनिटरिंग की जा रही है। 194 करोड़ रूपये दिया है इसके लिये मैं बहुत बहुत धन्यवाद भी करूंगा। 80 करोड़ रुपया आरोग्य निधि को दिया। सर ये बहुत जरूरी था। क्योंकि बहुत से लोग हमारे पास आते हैं वो कहते हैं जी इसका इलाज होना है इसमें पैसा खर्च होगा। बहुत से हमारे सरकारी हॉस्पिटल्स के अंदर भी कई जगह पैसा लगता है जैसे किडनी ट्रांसप्लांट कराने हों, लीवर ट्रांसप्लांट कराना हो, स्टंट डलने हों, ऐसे बहुत सारे हिप ट्रांसप्लांट इन सब चीज के लिये पैसा लगता है। हॉस्पिटल वाले बोलते हैं इतना पैसा लाओ तो होगा तो इसमें आरोग्य निधि के माध्यम से उनको पैसा मिलता है उनका इलाज हो जाता है, गरीब आदमी जो खर्चा नहीं कर सकता है उसके लिये इन्होंने 80 करोड़ रुपये जो आवंटित किये हैं उसके लिये भी मैं बहुत बहुत धन्यवाद करूंगा अपनी जनता की तरफ से, 400 करोड़ रुपये नये हॉस्पिटल बनाने के लिये दिये हैं। दिल्ली के अंदर लगभग 10 हजार बेड थे सत्येंद्र जैन जी का ये कहना था कि मैं इनको जल्द ही 20 हजार बेड कर दूंगा और आज 16 हजार बेड से ज्यादा हो चुके हैं और आने वाले टाइम में जो नये

हॉस्पिटल्स तैयार हो रहे हैं उनके लिये 400 करोड़ अभी मिले हैं उससे क्या होगा कि नये हॉस्पिटल्स बनेंगे, माडर्न हॉस्पिटल्स बन रहे हैं देखने में लगता ही नहीं कि दिल्ली सरकार के हॉस्पिटल हैं क्योंकि हमने देखे हैं कई जगह हॉस्पिटल्स की क्या हालत थी। 658 करोड़ रूपये अस्पतालों में दवाइयों की आपूर्ति के लिये, ये दिल्ली में बहुत गरीब लोग भी हैं जो दवाइयां नहीं ले सकते कहीं से भी। दवाइयां इतनी महंगी हो गयी है और इसलिये दिल्ली सरकार उनको मुफ्त दे रही है। मैं इसके लिये अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करूंगा जो आपने शुरू किया था और मुफ्त सेवा के लिये आपने 658 करोड़ रुपये अस्पतालों में दवाइयों की आपूर्ति के लिये रखे। 212 करोड़ रुपये मोहल्ला क्लिनिक। मोहल्ला क्लिनिक जो है आप तो सब जाते हैं कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हम लोग मशहूर हैं कि हम लोगों ने मोहल्ला क्लिनिक बना के गरीब जनता का इलाज किया। इसमें सारे टैस्ट ही हो जाते हैं, और गरीब जनता बेचारी जो मारे-मारे घूमती थी, छोटे-छोटे जो आपके डिग्री लिये हुए हॉस्पिटल में दुकानें खोल के बैठे होते थे उनके पास जाके इलाज कराती थी क्योंकि पैसा नहीं होता था, आज उनका मुफ्त इलाज इनमें हो रहा है, इनके टैस्ट हो रहे हैं इससे गरीब जनता को बहुत फायदा हुआ है। 6215 करोड़ रुपये अस्पतालों को बेहतरीन बनाने के लिये। अब जितने हॉस्पिटल चल रहे हैं हमारे इनको और सुंदर, और बढ़िया, और सुविधा युक्त करने के लिये पैसा रखा है उसके लिये मैं बहुत-बहुत धन्यवाद दूंगा। मैं कट करता जा रहा हूं जी धीरे-धीरे।

मंत्री जी ने गरीब जनता का ध्यान रखते हुए हमारी कच्ची कॉलोनियों के लिये जो पैसा दिया है उसके लिये बहुत बहुत धन्यवाद देंगे। 902 करोड़ रूपये आवंटित किया है इसके लिये हमारे ऋतुराज भाई बैठे हैं। और भी हमारी कॉलोनियां, हमारे यहां भी बहुत सारी ऐसी कॉलोनियां हैं जिसमें पानी की सुविधा नहीं है, कई जगह सीवर की सुविधा है तो खराब हो चुकी है, गलियां टूटी हुई हैं तो मैं अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करूंगा कि आपने गरीब जनता का ध्यान रखते हुए 902 करोड़ रुपये आवंटित करवाये जिससे कि हमारी गरीब जनता की जो कॉलोनियां हैं जो आज तक इसके उपर ध्यान नहीं दिया जाता था आज वो बढ़िया बनेंगी, बहुत सुंदर बनेंगी। मैं एक छोटी सी आपको बात बताता हूं मेरे यहां पर एक कॉलोनी में मैं गया, मेरी बहुत बढ़िया कॉलोनी बन गयी है अनऑथोराईज कॉलोनी है मैं भी वहीं रहता हूं तो मुझे एक आदमी बोलता है आपने तो स्थिति बिगाड़ दी यहां की, मैंने कहा क्या बात हो गयी, कह रहा है यार 33 हजार रुपये गज में कोई मकान खरीदता नहीं था आज सवा लाख का रेट हो गया है यहां पर क्योंकि आपने यहां पर पानी दे दिया, आपने यहां पे सड़कें दे दी, आपने चौबीस घंटे लाईट दे दी, बहुत सुंदर सड़कें बन गयी हैं अब तो PNG की लाईन भी डाल रहे हैं हम लोग। तो वहां पर बहुत शानदार बन गया है। परिवहन के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है हमारे मंत्री जी का, कैलाश गहलोत जी बैठे हैं। कैलाश गहलोत जी ने जो ऐतिहासिक काम परिवहन में किया है ये मेरे ख्याल से कोई नहीं कर सकता।

एक जमाना था जब हमें लगता था कि डीटीसी की बसें खत्म होती जा रही हैं और डीटीसी शायद प्राईवेट होगी या ये डूब जायेगी, ये बंद हो जायेगी। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इसको संजीवनी बूटी दी और सत्येंद्र जैन जी ने सॉरी कैलाश गहलोत जी ने इसको जिंदा किया और आज बड़े गर्व के साथ कहते हैं कि 7 हजार के आसपास बसें हैं हमारी और 10 हजार बसें करने जा रहे हैं जिसमें 80 परसेंट ई-बसिज़ होंगी। ई-बसिज होने से एक फायदा होगा कि पोल्यूशन कम होगा और दिल्ली पोल्यूशन से ये आप जानते ही हो कि एक समय ऐसा आता है कि पोल्यूशन में हम लोग ऐसे लगता है कि हम एक कालकोठरी में आ गये। तो इसके लिये मैं धन्यवाद दूंगा आतिशी जी को और मंत्री जी को जिन्होंने डीटीसी को जिंदा किया और परिवहन दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को बहुत सुंदर बनाया।

'रघुकुल रीत सदा चली आयी प्राण जाये पर वचन न जाई' हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी ने जनता को जितने भी वचन दिये उसको पूरे किये। यानि कि जो गारंटी थी वो उन्होंने पूरी करके दिखाई दिल्ली में भी हुई और पंजाब में भी हुई। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जगह-जगह गारंटी लिख रहे हैं, गारंटी लिख रहे हैं क्योंकि केजरीवाल से कुछ सीख रहे हैं न वो। अब वो गारंटी लिख रहे हैं लेकिन जनता जानती है ये गारंटी कभी पूरी नहीं होगी खाली दिखेगी बस क्योंकि उनके जुमले की गारंटियां हैं। पहले भी उन्होंने खूब जुमले गढ़े 15 लाख देंगे, ढाई लाख नौकरियां देंगे, कितना

कुछ। उन्होंने कोई बनाया नहीं खाली बेचा ही बेचा है देश के अंदर। कच्ची कालोनी पक्की आज तक नहीं हुई, डीडीए वाले बैठ जाते हैं वहां पर हर सौ-सौ गज पर कहते हैं दो लाख रूपये लाओ तब आपका कुछ करेंगे। गरीब आदमी कहां से दे दे उसे। हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री दी, 400 यूनिट और 24 घंटे बिजली दी।

माननीया अध्यक्षः बहुत सारे वक्ता हैं राजेश ऋषि जी आप कंप्लीट कीजिये अगले दो मिनट में आप कंप्लीट कीजिये।

श्री राजेश ऋषिः मैं ये बताना चाहता हूं जो गारंटी थी वो गारंटी इन्होंने हमेशा पूरी की। आज दिल्ली के अंदर पूरे हिंदुस्तान से ज्यादा पेंशन मिलती है। क्यों जी मिलती है कि नहीं ? ढाई हजार रूपये पेंशन है विडो की, डायवोर्सी की, थैलेसीमिया की और हैंडीकैप्ड की। इतनी पेंशन पूरे हिंदुस्तान में कहीं नहीं मिलती। ये मिलती इसलिये है क्योंकि अरविंद केजरीवाल गरीबों का दर्द जानते हैं। उन्होंने दो तीन बार ऐसी भूख हड़ताल करी थी जिस पर हमें लगता था कि ये चले न जायें कहीं। आठ-आठ दिन तक कुछ नहीं खाया गरीबों के लिये। नहीं उस समय की बात है हम तो देखते थे आंदोलन में। केजरीवाल सरकार ने एक बहुत बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली की सभी।

माननीया अध्यक्षः राजेश ऋषि जी बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री राजेश ऋषिः कॉलेजों में, एक नया बहुत बढ़िया प्वाईट है मैडम, मैं एक और प्वाईट।

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद बैठिये आप।

श्री राजेश ऋषिः एक और प्वाईट रखना चाहता हूं कि दिल्ली के सभी कॉलेजों में सीनियर बिजनेस ब्लस्टर्स शुरू करने के लिये 15 करोड़ रुपये सैंक्शन किये।

माननीया अध्यक्षः चलिये, धन्यवाद धन्यवाद।

श्री राजेश ऋषिः ये

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री राजेश ऋषिः ये एक बहुत बड़ा कदम है क्योंकि आज तक हम स्कूलों में देखते थे

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद बैठिये। बैठिये राजेष ऋषि जी, धन्यवाद। बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री राजेश ऋषिः मैडम अभी तो रह गया अभी सुरेंद्र जी ने, एक बात और रखूंगा।

माननीया अध्यक्षः प्रमिला टोकस जी।

श्री राजेश ऋषिः सुरेंद्र जी ने अभी एक बहुत बढ़िया बात की महिलाओं के बारे में। उन्होंने कहा राम का ध्यान तो बीजेपी वाले रख रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः प्रमिला टोकस जी, प्रमिला टोकस जी।

श्री राजेश ऋषिः हम तो सीता का भी ध्यान रख रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः अच्छा बैठिये आप राजेश ऋषि जी।

श्री राजेश ऋषिः उन्होंने अरविंद केजरीवाल।

माननीया अध्यक्षः बैठिये, बहुत बहुत धन्यवाद। मैं हर वक्ता को बुलवाने से पहले निवेदन कर रही हूं, प्रार्थना कर रही हूं समय सीमा का ध्यान रखें और प्रमिला टोकस जी अपना वक्तव्य देंगी।

श्री राजेश ऋषिः आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः प्रमिला टोकस जी, प्रमिला टोकस जी।

श्रीमती प्रोमिला धीरज टोकसः धन्यवाद अध्यक्ष मैडम।

माननीया अध्यक्षः समय सीमा का ध्यान रखें।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः अध्यक्षा जी, पहले शुरू तो किया नहीं पहले ही खत्म कर दूं। सबसे पहले तो मैं माननीय

मुख्यमंत्री जी और आतिशी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने इतना अच्छा बजट पेश किया और सभी का ध्यान रखते हुए सभी का और ये बजट पेश किया। वैसे तो ये 10वां बजट है पहले बजट से लेकर अभी तक एक छोटा सा बच्चा जिसने अभी तक जन्म नहीं लिया, उससे लेकर और एक बुजुर्ग तक श्री अरविंद केजरीवाल जी ने ध्यान रखा सभी का, एक 'मेरा भाई मेरा स्वाभिमान', 'मेरा भाई मेरा अभिमान'। ये मुझे लगता है जो भी बजट में माननीय आतिशी जी ने बजट पेश किया वो एक दूसरे के पूरक हैं। अगर उसमें से कुछ भी हटाया जाये तो वो एक दूसरे के बगैर अधूरा रहेगा ऐसा मुझे लगता है कि जिस प्रकार से सबसे पहले मैं 8 तारीख को महिला दिवस है तो मैं महिलाओं पर ही बात करना चाहूंगी। जिस प्रकार से हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने पूरी दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगाये और हमारे एलजी साहब कहते कि सीसीटीवी लगा दिये तो और सिक्योरिटी की कोई जरूरत नहीं है। तो मैं अध्यक्ष जी आपको ये बताना चाहती हूं जो सीसीटीवी कैमरे लगाये हैं वो तुरंत काम नहीं करते हैं, वो कैसे काम करते हैं जैसे हमारे माननीय सम्मानीय बोलना पड़ेगा हमारे प्रधानमंत्री जी की भतीजी का बोलते हैं कि उनका पर्स चोरी हुआ तो वो तुरंत उस सीसीटीवी के माध्यम से उनका पर्स उनको मिल गया। जिस प्रकार से अभी चुनाव में माननीय अमित शाह जी यहां पर आकर उसी कैमरे के नीचे झूठ बोल रहे थे मैडम जी नाम लेना है या नहीं लेना, ले लें। उसी कैमरे के नीचे खड़े हो के झूठ बोल रहे हैं कि

श्री अरविंद केजरीवाल जी ने एक भी कैमरा नहीं लगाया उसी कैमरे में वो आ गये। फिर अभी ये तो हाल ही की बात है चंडीगढ़ में उन्होंने तो अपना मेयर बना लिया था बीजेपी वालों ने, अगर सीसीटीवी कैमरे न होते तो बीजेपी की सरकार बन चुकी थी। लेकिन सीसीटीवी ने काम किया कि उसी में उन्हीं के लोग कैसे वो वोट की चोरी करते हैं, कैसे काटे, वो सीसीटीवी कैमरे में आया। और वैसे तो मैंने पहले बताया जी इनको शर्म तो है नहीं, शर्म भी बेच खाई उन्होंने। जो शर्म थी वो भी बेच खाई जैसे रेत बेच दी, एयरपोर्ट बेच दिया, पता नहीं क्या क्या बेच दिया, इन्होंने शर्म भी बेच दी। और अब ये गारंटी देते हैं अध्यक्ष जी कि 80 करोड़ लोगों को अन्न देते हैं वो, पोष्टिक आहार। अध्यक्ष जी अभी ओले पड़े है, जो बेचारे किसान बैठे हैं ना यहां पर, जो वो काला कानून लेकर आए हैं, उसके विरोध में। मैं भी एक किसान की बेटी हूं अध्यक्ष जी और बड़ा द्:ख होता है, अब उनकी फसल पूरी बर्बाद हो चुकी है। कुछ तो दुश्मन यहां पर हैं, कुछ भगवान भी उनके साथ नहीं खड़ा हुआ। उन्होंने भी ओले डालकर पूरा इतना बुरा हाल कर दिया है। बड़ा दु:ख भी होता है, क्योंकि गारंटी। मैंने अभी देखा अभी आ रही थी कि मोदी जी किसानों के साथ में है, कितना झूठ बोलेंगे ये। कम से कम अरविंद जी से ही सीख लो कैसे काम करते हैं। कितना उन्होंने किसानों के लिए किया, महिलाओं के लिए, अध्यक्ष जी हमारे पास भी आती है, आपके पास भी आती है, सभी एमएलए के पास आती हैं कि गरीबी की भी पेंशन

होनी चाहिए और ये तो गरीबी से ऊपर है, जो महिलाएं हैं 18 साल से ऊपर सभी के लिए एक हजार रुपए की राहत राशि जो हमारी महिलाओं को सम्मान राशि वो दी जाएगी, ये मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं अपने माननीय मुख्यमंत्री जी का। और अध्यक्ष जी अगर मेरा स्वास्थ्य ठीक है तो मैं यहां खड़ी हूं, अगर मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो मैं यहां पर खड़ी नहीं होती। तो जिस प्रकार से हॉस्पिटलों की कायाकल्प की है, वो सब जानते है और किस प्रकार से एलजी साहब ने अड़ंगा भी लगाया उसमें, जो हमारे फरिश्ता स्कीम थी, उसको रोककर। मुझे लगता है कहीं न कहीं उनको अब चुनाव है, हमारे यहां से तो भाई सोमनाथ जी खड़े है नई दिल्ली से। तो उनको लगता है कि अबकी बार तो हमारा आना बड़ा मुश्किल है क्योंकि कितना झूठ बोलेंगे, इतना साल हो गए झूठ बोलते-बोलते, बोलते-बोलते, अब लोगों के भी समझ में आ गया कि झूठ के अलावा और कुछ परोसेंगे नहीं। अब उनके कार्यकर्ताओं को भी समझ में आ गया है कि इनके पास झूठ के अलावा कुछ नहीं है। अब मुझे लगता है उनके कार्यकर्ता भी अब उनके साथ नहीं है अध्यक्ष जी।

...व्यवधान...

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस: अध्यक्ष जी इतना मोहल्ला क्लीनिक जो पहले हम घंटे लाइनों में खड़े होते थे जो हमारी खांसी, जुकाम, सर्दी अब मौसम चेंज हो रहा है तो ऐसा हो ही

जाता है, गला खराब होता है। तो हमें हॉस्पिटलों में ना जाकर अपने घर के पास में ही मोहल्ला क्लीनिक है, हम वहां जाकर अपना इलाज कराते हैं और वो भी बिल्कुल फ्री में कराते हैं। और हमारे यहां तो मुनिरका में एक मोहल्ला क्लीनिक है अध्यक्ष जी और उसमें इतने लोगों ने इलाज किया है, क्योंकि मुनिरका में किराएदार हैं तो ज्यादातर लोग अगर खांसी होती है, मैं खुद भी लेकर आई हूं और मुझे खांसी होती है तो मैं मोहल्ला क्लीनिक से ही खांसी की दवाई मंगाती हूं और उससे तुरंत असर होता है। फिर शिक्षा, अगर स्वास्थ्य ठीक है और शिक्षा ना हो वो भी बेकार है। शिक्षा पर इतना बेहतर काम किया है, इतने पहले अभी सब जानते हैं कि पहले क्या हालत थी, सरकारी में कोई पढ़ाना नहीं चाहता था ये मैंने पहले भी बताया कि मेरे यहां से आरकेपुरम सैक्टर-12 से जब हम चुनाव में आए उन्होंने बताया कि मेरी बेटी प्राइवेट स्कूल में पढ़ती है, हमारे वहां पर टैगोर इंटरनेशनल स्कूल बहुत माना हुआ है, उन्होंने वहां से नाम कटवाकर अपनी बेटी का हमारे सरकारी स्कूल में एडमिशन कराया और एक ने बताया कि मेरी बच्ची की जो बढ़ी हुई फीस उन्होंने ली थी, उन्होंने चैक वापस दिया। तो ऐसा बेहतरीन काम किया है और पानी हो, सीवर हो, शिक्षा स्वास्थ्य सब पर इतना काम किया और पोल्यूशन इतना बढ़ता है तो उसपर भी इतना बेहतरीन काम किया है, हमारी सरकार ने, माननीय मुख्यमंत्री जी के सहयोग से सभी मंत्रियों ने। कितने लाखों पेड़ लगाए हैं और सभी ने सहयोग किया। मैं अपने माननीय। धन्यवाद बोलना है बस।

धन्यवाद अध्यक्षा जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। कभी तो बोलने दिया करो, बहुत-बहुत धन्यवाद मैडम।

माननीया अध्यक्षः प्रमिला जी मैंने तो कुछ कहा ही नहीं, आपकी इच्छा है पहले मना कर रहे थे अब आपको खुद बैठना है, बहुत-बहुत धन्यवाद। सोमनाथ भारती जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः इसीलिए आज बीच में प्रमिला जी को बुलवाया वो बीच-बीच में सभी वक्ताओं को प्वाईंटर्स दे रही थी तो मुझे लगा आज बिना तैयारी के भी शानदार बोल पाएंगी। सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय आपने मुझे इस महत्वपूर्ण बजट पर बोलने का मौका दिया। एक बहुत बड़ी बात जो हर तरफ निकलकर आई की प्रभू श्रीराम के मंदिर पर हम लोग सारे खुश हैं, पूरा हिंदुस्तान खुश है। लेकिन उससे कहीं ज्यादा हिंदुस्तान खुश है केजरीवाल जी के बजट को देखकर क्योंकि प्रभू श्रीराम के आदर्शों पर चलकर जनता के लिए जीने वाला व्यक्ति अरविंद केजरीवाल जी का ये बजट रामराज्य की अवधारणा को पूरा करता है और जैसा अभी मेरे कई साथियों ने कई कुछ कहा। मैं पिछले जब से मेरा नाम अनाउंस किया है पार्टी ने नई दिल्ली लोकसभा के लिए मैं पूरे दिल्ली में घूम रहा हूं, 10 विधानसभाओं में घूम रहा हूं। जो अभी

राजेश जी ने बोला मैं वो चौपाया बहुत गहरा है, 'रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई' और इस बात को सिद्ध करने वाले व्यक्ति का नाम है अरविंद केजरीवाल। प्राण जाए पर वचन न जाई, तुम जेल में डाल दो, इस प्रकार की मुसीबतों का सामना केजरीवाल जी कर रहे हैं रोज, उसके बावजूद दिल्ली वालों के लिए सोचना बंद नहीं किया। दिल्ली वालों के लिए जीना बंद नहीं किया, दिल्ली वालों के लिए लगातार काम करना बंद नहीं किया इसके लिए उनको मैं सलाम करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से 76 हजार करोड़ का बजट आया है और मैं देखकर पुनः गदगद हो गया कि जो स्ट्रैस, जो emphasis हमारी सरकार ने पिछले 9 बजटों में दिया, वो जारी है दसवां बजट है हमारा, शिक्षा पर 22 प्रसैंट खर्च करना, इस बात का सबूत है कि रामराज्य कोई को के तरफ कोई बढ़ा रहा है देश को दिल्ली मॉडल के रूप में उसका नाम अरविंद केजरीवाल है। अध्यक्ष महोदय, कई सैक्टरों में आप देखिए कहना आसान है, कह सब देते हैं कि हम देशभक्ति कर रहे हैं, हम सैनिकों की इज्जत करते हैं लेकिन सिर्फ अरविंद केजरीवाल जी हैं इस देश के अंदर जिन्होंने की एक करोड़ का सम्मान राशि जो दिया है सैनिकों को, हमारे पुलिस के साथियों को ये सिर्फ अरविंद केजरीवाल जी ने किया और मैं आपके माध्यम से ये देश को बताना चाहता हूं कि ये संख्या कोई छोटी-मोटी नहीं है, 35 शहीद साथियों को अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने दिल्ली में एक करोड़ की सम्मान राशि के साथ उनको सम्मान देने का काम

किया है, बहुत बड़ी बात है। अगर इस शख्स को पूरा हिंदुस्तान मिल जाए, तो पूरे हिंदुस्तान में जहां कहीं भी हमारे सैनिक साथी अपना जीवन न्यौछावर करेंगे देश के लिए, ये सम्मान पूरे देश में हर को मिलेगा। कोविड वॉरियर्स की बात हो, वहां भी हमने 92 कोविड वोरियर्स को हमने एक करोड़ की सम्मान राशि दिया है और चूंकि मैं जस्टिस का आदमी हूं तो जो आपने न्याय के लिए किया है, उसका उल्लेख करना बहुत जरूरी है अध्यक्ष महोदय। आप देखें कि पहली बार ऐसा हुआ है कि 2014-15 में जो जस्टिस सिस्टम का बजट था, 760 करोड़, 24-25 में चार गुणा बढ़कर के 3,998 करोड़ हो गया। ये चार गुणा बढ़ गया, ये कौन करेगा, ये वही करेगा जो चाहेगा कि justice should be expeditious justice फटाफट हो, जल्दी-जल्दी हो जिससे और कोर्ट बन सकें और मैं आपके माध्यम से दिल्ली को बताना चाहता हूं कि केजरीवाल जी के बजट के कारण बहुत जल्द रोहिणी, कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क, राउज एवेन्यू इन सारे जगहों पर state of the art court complexes बनकर के तैयार हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने कोरोना में देखा किस प्रकार से सब कुछ ऑनलाइन हो चुका था। अब ऑनलाइन एक बार अगर आदत पड़ जाए, मदनलाल हमारे वकील साथी हैं, यहां बाहर निकलकर के कोर्ट की प्रोसिडिंग अटैंड करनी है, आपने वीसी ऑन किया, वर्चुअल कोर्ट ओन किया और अटैंट कर लिया। आप दिल्ली में प्रैक्टिस करते हैं आपको एपियर होना है कलकत्ता में, आपने एपियर होना चेन्नई में, आपको एपियर होना है सुप्रीम

कोर्ट में, आपको एपियर। ये सारे कोर्टों में appearances आज वकील साथी state of the art virtual court का सिस्टम से ये कर पा रहे हैं। उन वकील साथियों की तरफ से मैं माननीय केजरीवाल साहब का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस काम के लिए की हाइब्रिड सिस्टम fully functional हो उसके लिए 100 करोड़ रुपया हमारी सरकार ने इस काम के लिए दिया है। उसी प्रकार से सरकार ने जो गरीब साथियों के लिए लीगल सर्विसिज का सिस्टम है, जो अफोर्ड नहीं कर सकते हैं वकील, वो अलग बात है कि मदनलाल जी हों, मैं हो, हम लोग फ्री में भी कानूनी लड़ाई खूब लड़ते हैं जनता के लिए, जहां कहीं भी जरूरत पड़ती है, खूब लड़ते हैं। माननीय हमारे गौतम जी और कई सारे वकील साथी जो आम आदमी पार्टी के वकील हैं, usually वो जून साहब हमारे यहां बैठे है, कादियान साहब भी हैं। हमारे सारे वकील साथियों ने ये परम्परा तो रखी है, नरेश यादव जी। तो ये बहुत जरूरी है कि या तो उसको आम आदमी पार्टी का वकील मिल जाए, जहां हम फ्री में कर लेंगे, कैलाश गहलोत जी भी हैं, वहां तो ये, मदनलाल जी भी। तो ये फिर क्या है कि लीगल सर्विसिज एड को इनपावर करना बहुत जरूरी था, उसके लिए माननीय केजरीवाल साहब ने बहुत अच्छा बजट का प्रावधान किया है इसके लिए मैं धन्यवाद करता हूं उनका। अध्यक्ष महोदय, भाजपा का जो डूअल स्टैंडर्ड है, मैं देख पा रहा हूं। एलजी साहब बुराड़ी जाते हैं, किराड़ी जाते हैं, उसकी फोटो चिपकाते हैं और कहते हैं कि ये केजरीवाल जी ने साफ नहीं

किया, ये केजरीवाल जी ने गली नहीं बनाई और दूसरी तरफ वही काम रूकवाने का काम करते हैं। सर्विसिज अपने हाथ में लेकर के जिस प्रकार से अधिकारियों को control करने का काम किया है। तो मैं दाद देता हूं केजरीवाल जी का, उन्होंने एक सैकंड नहीं लगाया, भाजपा की पूरी पोल खोल दी जब उन्होंने चीफ सेक्रेटरी को चिट्ठी लिखा कि मैं आदेश दे रहा हूं कि जो कमियाँ एलजी साहब ने बताई है उसको एक सप्ताह भीतर करके दो, अब माननीय मुख्यमंत्री का जो आदेश है, अगर इसका पालन नहीं होता है, तो बात साफ है कि केजरीवाल जी के काम को रोकने का काम कर रही है भाजपा। और 10 विधानसभाओं में घूम-घूमकर मैंने ये देख लिया तो भाजपा वाले आज बहुत आतंकित है इस बात से, इस आदमी को काम करने से रोको, ये हमें एक्सपोज कर देता है। वन टाइम सैटलमेंट स्कीम, जो दिल्ली में रोकी गई, आज पूरा दिल्ली जानता है कि केजरीवाल जी तो चाहते हैं कि वन टाइम सैटलमैंट स्कीम आ जाए, लेकिन भाजपा ने चोर दरवाजे से अधिकारियों को बोलकर के ये स्कीम रूकवाया है। भाजपा ने चोर दरवाजे से अधिकारियों को बोलकर के दिल्ली की सड़कें ना बनें, गलियाँ ना बने इसके लिए अधिकारियों पर दबाव डाला है। अध्यक्ष महोदय, ये चूंकि जो पिछले चुनाव लोकसभा के हुए और ये जो चुनाव लोकसभा का हो रहा है। चूंकि ये बजट के माफिक मैं बता रहा हूं आपको। इस बार का लोकसभा का चुनाव कोई अलग माइने है। आप सोचें दिल्लीवासी दो लाख करोड़ का टैक्स कन्ट्रीब्यूट करते हैं। अगर

नोर्मल राज्य होता, अगर कोई नोर्मल सरकार होती केंद्र में, अगर कोई देशभक्त सरकार होती केंद्र में, अगर कोई रामराज्य की अवधारणा पर चलने वाली कोई सरकार होती केंद्र में तो और राज्यों की तरह दिल्ली को भी 42 प्रसैंट इस दो लाख करोड़ का मिलता, लेकिन क्या किया। वो जो परम्परागत चली आ रही है 325 करोड़, वही आज भी मिल रहा है। और मैं आपको वादा कर रहा हूं साथियों को, अच्छा वो भी बंद कर दिया है। तो ये उसी प्रकार से मैं देख पा रहा हूं कि 13 लाख करोड़ crony capitalist का माफ कर दिया। वो मेरी बहन बोल रही थी किसानों को, हमारे मजदूर साथियों को जो मिडल क्लास फैमलिज है, उनको टैक्स एग्जेम्शन नहीं है। लेकिन इनके जो इनके खास दोस्त हैं, जो इनके लिए सौ-सौ करोड़ का स्टेज बनाएंगे, जहां ये अभी मुंह छुपाए फिर रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद इलैक्ट्रोल बोंड्स का डिटेल नहीं देना चाहते कोर्ट में ये, आप सोच सकते हैं, की एसबीआई वहां जाकर बोल रही है कि बड़ा हंगामा हो जाएगा, पता नहीं किस-किस के नाम आ जाएंगे, जलजला हो जाएगा, मुझसे मत मांगो। कहते हैं जी चुनाव के बाद, बताइये। चैलेंज करता हूं भाजपा को अगर ये दे-दे, it is a matter of deep shame अगर ये दे-दे इलैक्ट्रोल बोंड्स की डिटेल भाजपा की सरकार एक सैकंड नहीं टिकेगी केंद्र के अंदर। सारे जेल में होंगे कि किस-किस व्यक्तियों को फायदा दिया, ऐसे कई डिटेल्स आ गए, जहां की पहले ईडी का इस्तेमाल किया, पहले सीबीआई का इस्तेमाल किया, फिर उससे

पैसे लिए और फिर केस बंद किया, ऐसे कई सारे केसिसज़ आगे आएंगे। अध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं भारत ने विकास किया, भारत ने विकास किया। भारत विकास करा रहे हैं केजरीवाल जी, अरे कभी हमारे बजट स्पीच सुन लिया करो, कभी उसपर चलकर देख लिया करो, इसको बुलाकर, सिसोदिया साहब को बुला लिये होते स्कूल ठीक करना नहीं आता तो। जिस व्यक्ति को बुलाकर स्कूल ठीक कराने थे उस व्यक्ति को जेल मे बैठाकर रखा हुआ है। और मैं वकील हूं, एक धेले का सबूत नहीं है, ना सिसोदिया साहब के खिलाफ, ना जैन साहब के खिलाफ, ना संजय सिंह के खिलाफ। इसलिए उनको बंद करके रखा हुआ है। क्योंकि उनके सवालों का जवाब नहीं है इनके पास। कह रहे हैं 80 करोड़ भारत की जनता को 5 किलो राशन मुफ्त देंगे अगले 5 साल। अब मुझे बताइये अगर सवा सौ करोड़ जनता में 80 करोड़ को ये राशन मुफ्त देंगे, अगर ये इनका पैमाना है विकसित भारत का, तो भगवान बचाए, भगवान श्रीराम बचाए, भगवान श्रीराम इनको अक्ल दें की भई विकसित भारत ऐसे नहीं बनता है, विकसित भारत बनता है केजरीवाल जी की तरह स्कूल बनाने से। अध्यक्ष महोदय, मैं जब जा रहा हूं क्षेत्रों में तो ये जो, चूंकि दिल्ली विधानसभा की जो मुसीबत है कि किस प्रकार से हमारी ताकतों को काटा जा रहा है, हमारे विधायक साथियों की जिंदगी को नर्क बनाया जा रहा है, विधायक साथी के पास जनता आती है कि सड़क बना दो, गली बना दो, हमारा मुख्यमंत्री सड़क जो योजना था उसको रोकने का काम किया इन

लोगों ने। मैं क्षेत्र में जब जा रहा हूं तो लोग बता रहे हैं। मैंने पूछा भई बताओं सांसद कौन है, बोला नहीं पता। बोलो भई जो क्षेत्र का विधायक है उसी का नाम सांसद के रूप में बताते हैं वो। चूंकि हमारे विधायक साथियों ने 24 घंटा अपनी उपलब्धता सुनिश्चित करी है अपने क्षेत्र में, इसके लिए मैं अपने विधायक साथियों का धन्यवाद करता हूं कि आपने वो काम करके दिखाया जो एक सांसद ने भी नहीं करके दिखाया। और पुलिस का हो, law and order का हो, डीडीए का हो, लैंड का हो, जो मसला है, दिल्ली के अंदर क्राइम हुआ, दिल्ली के अंदर बहन-बेटी के साथ बदतमीजियां हुई, चैन स्नेचिंग हुआ, मर्डर हुआ, कहां जाए जनता। कुल मिलाकर कौन उपलब्ध है, आम आदमी पार्टी का विधायक, आम आदमी पार्टी का पार्षद। उन बेचारों के हाथ में, हमारे हाथ में है ही नहीं पुलिस। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली तैयार है कि इस बार आम आदमी पार्टी इंडिया अलाइंस के सातों के सातों सांसद सदन में जाएंगे और दिल्ली के अधिकार जो बार-बार रोके जा रहे हैं, काटे जा रहे हैं, उसके खिलाफ आवाज उठाएंगे और तभी हमारे अधिकार बच पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैंने ये कई बार इस बात को सदन के अंदर भी रखा कि जब तक women empower नहीं होती। नेपोलियन ने कहा था कि empower the women that will empower the nation, empowerment की बात जो केजरीवाल जी ने शुरू की, फ्री बस राइड जो दिया, आज मेरे यहां इंद्रा कैंप की बेटी काम करने पहुंचती है शाहदरा, उसका 4 हजार रुपया महीने का बचता है।

इससे बड़ा वूमेन इम्पावरमेंट की क्या बात होगी, जो कहीं नहीं दिख रहा, केजरीवाल जी कर पा रहे है। अब जो एक हजार रुपया प्रति महीना केजरीवाल जी ने एनाउन्स कर दिया, वो हर तरफ महिलाओं का स्पोर्ट की मेरा भाई है, मेरा बेटा है, मेरा भाई है, मेरा बेटा है। जहां जाऊं वहां क्षेत्र की महिला यही बोल रही हैं कि इस प्रकार की इमपावरमेंट का जो एक विज़न केजरीवाल जी ने दिया है उसके प्रति पूरा दिल्ली आभारी है और कथनी और करनी में तो फर्क होता है। एक ही व्यक्ति है जहां जो कथनी है वही करनी है और आपके माध्यम से क्या पता जो गिरीश भाई ने बात कही है और जो दिल्ली में दिख रहा है इस बार बहुत प्रबल संभावनायें हैं कि इस बार दिल्ली के सातों सांसद India alliance के सदन में जायेंगे। ये बहुत प्रबल संभावनायें हैं और हो सकता है उस लिहाज़ से क्योंकि मेरे कई विधायक साथी बैठे हैं उस लिहाज़ से मेरा ये आज वक्तव्य आखिरी हो इस सदन का तो मैं सभी साथियों को इस बात का गारंटी देता हूं। एक है गारंटी मोदी की जो मेरे साथी ने कहा ये पूरा नहीं हो सकता। क्या है गारंटी 15 लाख की गारंटी हो गई, 2 करोड़ योजना गारंटी कुछ पूरा नहीं होता, एमएसपी की गारंटी हो गई, एक गारंटी है अरविंद केजरीवाल जी।

माननीया अध्यक्षः कम्प्लीट कीजिये सोमनाथ जी।

श्री सोमनाथ भारतीः एक गारंटी अरविंद केजरीवाल जी की गारंटी क्या है कि सातों सांसद जिताओ और दिल्ली के काम

करवाओ क्योंकि भाजपा को एक ही तरह रोकने का तरीका है कि सातों सांसद खड़ा होकर के दिल्ली के लिये लड़ेगे तभी हम आगे बढ़ेंगे और तभी दिल्ली आगे बढ़ेगा। दो लाइन और मैं कई जगह बता रहा हूं कि एक सेठजी के पास गधा था और बैल था तो गधे ने बैल को बोला बैल भईया बहुत मारता है तुमको सेठ तुम भाग क्यों नहीं जाते तो कहता है मेरी छोड़ तू अपनी सोच गधे की मार तो दुनिया जानती है तुमको तो सेठ खूब मारता है तुम क्यों नहीं भाग जाते, गधा कहता है क्या करूं यार, सेठ मारता तो बहुत है वो ठीक है लेकिन रोज़ सवेरे आकर मेरा पैर छू लेता है, गधे को गले से नहीं बांधते गधे को पैर से बांधते हैं तो सेठ आता था पैर छूने के लिये नहीं सेठ आता था उसके पैर खोलने के लिये काम पर लगाने के लिये तो गधा को लगता था मेरा पैर छू रहा है। ये भाजपा के सांसद पिछले पौने 5 साल 10 साल गायब रहे अब आ रहे हैं पैर छूने के लिये, कह रहे हैं भईया गलती हो गया अरे भईया, भई पांच में चार आपने बदल दिया क्यों बदल दिया अगर इतनी बड़ी लहर चल रही थी तो। तो ये जो मैं आपके माध्यम से दिल्ली की जनता को कहना चाहता हूं कि भईया हमें गधा नहीं बनना गधा बनाना है और कहना है हमको पूरे पांच साल हमारे बीच में रहकर काम करने वाला सांसद चाहिये आखिरी वाला सांसद नहीं चाहिये और मैं आखिरी बात की मोदी जी कह रहे हैं 400 पार। मेरे विधानसभा क्षेत्र में लगा हुआ है साढ़े चार सौ पार सुनिये, मेरे विधानसभा क्षेत्र में लगा हुआ है साढ़े चार सौ पार तो किसी

ने मेरे एक सभा में कहा सोमनाथ जी, कोई बड़ी बात नहीं ये कह दें 600 पार क्योंकि जो ये क्या पता ये अमेरिका की सीट भी जोड़ लें कि वहां भी हमने सरकार बनाया तो मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया। इस दसवीं दिल्ली की बजट के लिये जो एक काम की राजनीति को स्टेब्लिश करता है जो राम राज्य की अवधारणा को स्टेब्लिश करता है इसके लिये अपने साथी आतिशी जी का धन्यवाद करता हूं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं, अपने साथियों का धन्यवाद करता हूं जय हिन्द जय भारत।

माननीया अध्यक्षः मदन लाल जी।

श्री मदन लालः जय श्री राम जी की, जय श्री राम जी की देखिये इस बार अध्यक्षा जी आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। इस बार का बजट नहीं पिछली बार के जितने 9 बजट पहले आये थे वो सारे भगवान राम राज्य की स्थापना की दिशा में बढ़ते हुये कदम रहे। दिसम्बर 2013 में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार पहली बार बनी थी हमें अच्छी तरह याद है उससे पहले दिल्ली में करप्शन का क्या हाल था। लोग हर काम कराने के लिये दर-दर ठोकरें खाते थे, ये वो समय था जब लोग बहुत ज्यादा त्रस्त थे। अरविंद केजरीवाल जी की सरकार पर लोगों ने भरोसा जताया उनकी सरकार बनी और वो एक लोगों ने ऐसा ज़माना देखा कि करप्शन बिल्कुल खत्म हो गई थी। उन्होंने आते ही दिल्ली के

लोगों का जीवन सुधारने के लिये और मैं कहता हूं राम राज्य की स्थापना करने के लिये उन्होंने सबसे पहले लोगों का जीवन स्तर कैसे सुधरे उसके लिये उन्होंने सबसे पहले बिजली और पानी का जो बोझ लोगों पर था उसको उन्होंने खत्म कर दिया, 200 यूनिट बिजली फ्री कर दी, 20 हज़ार लीटर पानी फ्री किया लोगों के पैसे बचने लगे। ये समय लोगों को लगा कि अब पहली बार एक सरकार ऐसी आई है जो राम राज्य की दिशा की ओर चलने लगी है। मुझे अच्छी तरह याद है एक्साइज़ दिल्ली में कभी-कभी लोग illicit liquor हरियाणा से स्मगल करते हैं। हमारा एक मुज़फ्फर नगर में रहने वाला एक वीर सिपाही विनोद कुमार दिल्ली पुलिस में कार्यरत था स्मगलिंग हो रही थी उन्होंने उनका डटकर मुकाबला किया और वीरगति को प्राप्त हुये। उससे पहले की सरकारें चाहें वो कांग्रेस की सरकार रही या बीजेपी की सरकार रही विधवा को सिलाई की मशीन देकर शांति कर लेती थी। हिन्दुस्तान की पहली सरकार, मुझे लगता है शायद दुनिया की पहली सरकार 1 करोड़ रुपये की धनराशि उस परिवार को दी गई कि duty of line में जो भी शहीद होगा उसके परिवार को आगे से 1 करोड़ रुपये का अनुदान राशि दी जायेगी ये राम राज्य की स्थापना है। 2015 के बाद से अब ये दसवां बजट है। संस्कृत में एक दोहा है 'येषां न विद्या' उसकी शुरूआत की विद्या से शुरू होती है।

''येषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं, न शीलं, न गुणो, न धर्मः।

ते मृर्त्युलोके भूविभारभूता, मनुष्यरूपेण मृगाश्र्चरन्ति।।''

येषां न विद्या न तपो न दानं, भगवान राम को जब पुरूषोत्तम कहते हैं तो हम गुणों की व्याख्या करते हैं कि किसी उत्तम पुरूष में कौन-कौन से गुण होने चाहिये। तो पहला गुण हो विद्धवान हो, विद्याधारी हो जिसके पास विद्या हो, जो तपस्वी हो, जो दानी हो गुणी हो, धर्म का पालन करता हो, जो शीलवान हो जो गुणवान हो जो धर्म का पालक हो अगर हम आज की सरकारें देखें और उन सरकारों के काम देखें तो हमको डिफरेंस पता चलता है। वो सरकार जो इन गुणों से परिपूर्ण हो वो राम राज्य की स्थापना कर सकती है उसके अलावा कोई और नहीं कर सकता और भगवान राम के राज्य की अगर स्थापना करनी हो तो आपको समाज के हर वर्ग का ध्यान रखना पड़ेगा। वैसे आज सदन में मज़ा सहीं आ रहा क्योंकि बजट पर चर्चा कर रहे हैं विपक्ष जान-बुझकर नदारद है वो कहेगा बुराई करें भी तो काहे की करें, टोका-टोकी करते रहते थे पर करें तो क्या करें उनकी समझ में नहीं आया लिहाज़ा वो यहां से नदारद हैं तो सदन शांत-शांत चल रहा है। अध्यक्षा जी, 2014-15 में जो दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 47 हज़ार थी आज वो हिन्दुस्तान में बढ़कर सबसे बड़ी सबसे ज्यादा 4 लाख 62 हज़ार हो गई है जो अपने आप में एक रिकार्ड है और ये सच्ची और ईमानदार सरकार की करनी का फल है। 2014-15 का हमारा जीडीपी 4 लाख 15 हज़ार करोड़ था आज उसका तीन गुना हो गया है लगभग 11 लाख 8 हज़ार करोड़ होने के साथ ये हिन्दुस्तान की सबसे ज्यादा अव्वल सरकार के स्थान पर खड़ी हो गई है। 2014-15

में 30 हज़ार 940 करोड़ का बजट था जब हम आये थे। आज ये 76 हज़ार करोड़ का है ढाई गुने से ज्यादा इसमें तरक्की हुई है। ये ईमानदारी की पहचान होती है और जैसा मैंने कहा कि किसी भी देश को समाज को तरक्की करने के लिये शिक्षा का सबसे बड़ा साधन है सबसे बड़ा मूल मंत्र है। शिक्षा पर सरकार ने पहले से ही पहले दिन से जब से आई है 10 बजट में हम लगातार देख रहे हैं अब दसवें बजट में भी कि 76 हज़ार करोड़ में से 16 हज़ार 896 करोड़ रुपया लगभग 21 परसेंट माननीय केजरीवाल जी ने शिक्षा के लिये रखा है पर दुर्भाग्य हमारा जहां मेरे और मेरे विधानसभा में 9 के 9 सरकारी स्कूल नये बना दिये गये हैं 9 के 9। अध्यक्षा जी, एक स्कूल बनना था आईएनए कॉलोनी में ग्लोबल स्कूल था, परिकल्पना की थी माननीय मनीष सिसोदिया जी ने मैं सैल्यूट करता हूं उनको। आतिशी जी को जो उनके साथ लगी रहीं जब शिक्षा मंत्री थीं, ये इनका विज़न था एक ग्लोबल स्कूल बनना था 60 करोड़ की लागत से। मेहबानी नई बड़ी सरकार की वो स्कूल का प्रोजेक्ट खत्म कर दिया गया है। 60 करोड़ रुपये में ग्लोबल स्कूल बनना था ये किस राम राज्य की बात कर रहे हैं वो। राम राज्य तो असली ये है जहां लोगों की भलाई के लिये सबको शिक्षा देने के लिये और शिक्षा एक तरह की क्यों सब तरह की लॉर्ड मैकाले वाली थोड़ी कि उन्होंने केवल गुलाम पैदा करने थे शिक्षा के माध्यम से। ये सरकार तो टैक्निकल एजुकेशन देने के लिये यूनिवर्सिटी खोल रही है, स्पोर्ट्स में ज्यादा अव्वल हों स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोल रही है, हमारे

टीचर्स को विदेश भेज रही है सिंगापौर भेज रही है, अमेरिका भेज रही है। ये एक मॉडल है कि संसार में दिल्ली के बच्चे सबसे ज्यादा अव्वल सबसे ज्यादा बढ़िया कैसे हों, उसको कैसे कारगर करें और अध्यक्षा जी एक बात मुझे अच्छी तरह पता है मैं सरकारी स्कूल में पढ़ा हूं डिफेंस कॉलोनी के सी-ब्लॉक में, वही स्कूल हैं वही टीचर हैं वही बच्चे हैं पर अब पढ़ने और पढ़ाने का तरीका बदल गया है मनोबल बदल गया है और केवल मनोबल बदला है माननीय केजरीवाल जी के पर्यत्नों से। उन्होंने उन टीचर्स को मोटिवेट किया कि वो जाकर दुनिया के सबसे अच्छी शिक्षा के बारे में जानें, अमेरिका जायें, इंग्लैड जायें, सिंगापौर जायें, जाकर सीखें और यहां आकर इन बच्चों को उस शिक्षा का लाभ दें। यही कारण है कि आज हमारे सरकारी स्कूलों के पढ़ने वाले बच्चे प्राइवेट स्कूल के पढ़ने वाले बच्चों से कहीं ज्यादा आगे निकल गये, हमारा रिजल्ट 99 परसेंट को क्रॉस कर रहा है। मैं अपने दफ्तर में कई बार देखता हूं लोग पहले रिक्वेस्ट करते थे किसी प्राइवेट स्कूल में भर्ती करा दो चाहे पैसे ही लगते हों कोई दिक्कत नहीं है अब उल्टे वही लोग ऐसे ही लोग पूरी कॉन्सिटिट्वेंसी में बार-बार लोग आते रहते हैं किसी तरह मुझे सरकारी स्कूल में भर्ती करा दो मेरे बच्चे को क्योंकि अब अंतर हो गया। जहां सरकारी शिक्षा बिल्कुल मुफ्त है सरकारी शिक्षा अव्वल है वहीं प्राइवेट स्कूल लोगों का खून चूसते हैं। अध्यक्षा जी, शिक्षा के बाद स्वास्थ्य में सरकार ने बहुत काम किया है। मेरे क्षेत्र में 9 मोहल्ला क्लीनिक बने हैं मुझे अच्छी तरह

पता है कि जहां-जहां लोग और जैसे अभी हमारी माननीय सदस्या प्रमिला जी की रही थीं कि मुझे जब भी कभी जरूरत होती है मैं मोहल्ला क्लीनिक जाती हूं मैं सच बताऊँ मैं भी जाता हूं। मुझे भी लगता है कि प्राइवेट हॉस्पिटल जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हमें लगता है कि और महसूस होता है लगता भी है महसूस होता है और हमें फायदा होता है कि मोहल्ला क्लीनिक की अगर दवाई लेंगे तो हमारा इलाज भी मुफ्त होगा और दवाई भी बहुत अच्छी मिलेगी और घर के सहारे मिलेगी। अब महिलाओं को जो पहले बहुत महसूस करती थीं की कितनी दूर अस्पताल जायें, कैसे जायें क्या साधन हो वो तुरंत अपने पड़ोस में मोहल्ला क्लीनिक में चली जाती हैं वहां का लाभ उठाती हैं। थोड़ी-थोड़ी दूर पर मोहल्ला क्लीनिक बने हैं 9 मोहल्ला क्लीनिक बने हैं और एक ओर में धन्यवाद करता हूं माननीय केजरीवाल जी का अब तो महिला मोहल्ला क्लीनिक बनने लगे हैं। मेरे यहां भी एक जगह आईडेंटिफाई करती है बहुत शीघ्र मुझे उम्मीद है की वो exclusively मोहल्ला क्लीनिक महिला का होगा। यहां महिला डॉक्टर होंगी, महिला नर्स होंगी, महिला फार्मेसिस्ट होंगे और महिला स्टाफ होगा, ये है कई जगह होने लगा है कई जगह होने लगा है, ये बहुत ज्यादा अच्छी बात है। बिजली के हमारे यहां कोई लगभग 58 लाखया कहें 59 लाख के करीब उपभोक्ता हैं घरेलू उपभोक्ता और अध्यक्षा जी ये बहुत गर्व की बात है दिल्ली में रह रहे लोगों को कि उनमें से 68 परसेंट से ज्यादा यानि 40 लाख 22 हज़ार लोग आज के दिन बिजली की सब्सिडी

ले रहे हैं इसका मतलब केवल 1 तिहाई लोग घरेलू बिजली उपभोक्ता बिजली का बिल पे कर रहे हैं, ये कितना बड़ा रिलीफ है और ये केवल और केवल एक इसका फायदा है कि अब हमेशा बिजली आती है वो टिमटिमाते बल्ब अब बंद हो गये हैं load shedding नहीं होती, जगह-जगह नये ट्रांसफार्मर्स लगे हैं। मेरे क्षेत्र में दर्जनों ट्रांसफार्मर्स लग गये हैं, बिजली की क्वॉलिटी सुधरी है, बिजली की आपूर्ति बढ़ी है और अध्यक्षा जी 2023 में 3 करोड़ 41 लाख बिजली के बिल ज़ीरो आये हैं 3 करोड़ 41 लाख बिजली के बिल ज़ीरो आये हैं इसलिये सरकार ने बिजली को और ज्यादा सुदृड़ करने के लिये 3 हज़ार 353 करोड़ को प्रोविजन लिया है। अध्यक्षा जी, सीवर के बारे में पानी की लाइन के बारे में इस सरकार ने बहुत ज्यादा सोचा है चाहे वो गांव हो कॉलोनी हो चाहे अनॉथराइज कॉलोनी हो चाहे झुग्गी-झोंपड़ी हों सब में सीवर और पानी की लाइनों को बिछाने का काम बहुत ज्यादा तेजी से चल रहा है। अध्यक्षा जी 2013 में जब मुझे पहली बार विधायक बनने का मौका मिला तो मेरे एक क्षेत्र में गांव गढ़ी है वहां 60 से 70 टैंकर्स रोज़ आया करते थे और तत्कालीन जो विधायक थे उनकी मेहरबानी से चंद लोग चौधरी थे उन टैंकर्स के, उन्हीं की डिमांड पर आते थे वही लोग डिसाइड करते थे कौन-कौन पैसे लेंगे। आज वो टैंकर आने बंद हो गये हैं, पानी की सप्लाई बिना मोटर चलाये हुये सब लोगों को बड़े आराम से मिलती है ये माननीय केजरीवाल जी का कमाल है। अध्यक्षा जी, हमने दो जगह आर.ओ. लगाये एक गढ़ी

गांव में जहां 6 रुपये में 20 लीटर पानी उच्च क्वॉलिटी का 35-35 लाख रुपये के ये माननीय केजरीवाल जी का विज़न है। उन्होंने कहा ऐसे लोगों को जिनके घर में आर.ओ. नहीं है उन लोगों को स्वच्छ पानी कैसे मिले, जगह-जगह दिल्ली में आर.ओ. लगाये गये हैं जिसकी कीमत एक की मुझे पता है 35 लाख रुपये थी एक की, मेरे इलाके में, एक गढ़ी गांव में और एक अलीगंज गांव में, दो आर.ओ. लगे हैं जहां 500, 700, 800 लोग रोज़ पानी लेते हैं और वो केवल 6 रुपये में 20 लीटर। समाज कल्याण महिला एवं बाल विकास, एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. कल्याण के लिये इस सरकार ने 6 हज़ार 216 करोड़ रुपये का प्रोविज़न रखा है। मैं धन्यवाद करता हूं अरविंद केजरीवाल जी को और उनकी सरकार को और उनके मंत्रियों को कि उन्होंने पिछड़े हुये समाज और जो विकास की मुख्य धारा से दूर है उनके उत्थान के लिये बहुत ज्यादा काम किया चाहे वो महिलाओं को बस फ्री देने की बात हो, चाहे वो महिलाओं को और सारे खर्च करने की बात हो और अंत: में जो एक बहुत बड़ा कदम अध्यक्षा जी, दिल्ली मे 68 लाख महिलायें वोटर हैं मैं वोटर शब्द जान-बूझकर इस्तेमाल कर रहा हूं क्योंकि स्कीम के मुताबिक जो 18 साल से बड़ी महिलायें हैं उनका गिनती 68 लाख है। इनमें अगर ये मान भी लें कि उनमें से बहुत सारी सरकारी नौकर होंगी कुछ सरकार की स्कीम का फायदा उठा रही होंगी तो भी ये मान लेता हूं कि इनमें कम से कम 40 से 50 लाख महिलायें ऐसी होंगी जिन्हें इस स्कीम का जो सरकार ने अभी घोषित की है कि 1

हज़ार रुपये प्रति माह हर महिला को महिला सम्मान राशि के रूप में मिलेगा। इतने लोगों को इतना बड़ा सम्मान देना ये सरकार पहली सरकार है जो महिलाओं का भी बहुत ज्यादा ध्यान रख रही है और ये चाहती है कि वो थोड़े-थोड़े खर्चों के लिये भी किसी की मौहताज ना रहें। मैं माननीय केजरीवाल जी को बहुत-बहुत उनके मंत्री साथियों को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि उन लोगों ने समाज को और ज्यादा उठाने ऊपर उठाने के लिये इतने ज्यादा अच्छे काम किये हैं और तो और गांव को 9 सौ करोड़ रुपये।

माननीया अध्यक्षः चलिये बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री मदन लालः दिल्ली के 360 गांव हैं अध्यक्षा जी। मैंने देखा पीछे की सरकारें उनके बारे में सोचती ही नहीं थीं चाहे वो बीजेपी की सरकार हो, चाहे कांग्रेस की। ये हमारी पहली सरकार है जो गांवों के रहने वाले लोगों के लिये चिंतित है क्योंकि वहां गांव में भारत बसता है सही रूप में, 900 करोड़ की धनराशि देकर इस सरकार ने गांव के उत्थान के लिये जो धनराशि मुहैया कराई है मैं उनके लिये गांव के सभी लोगों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं और मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कर रहा हूं की आपने मुझे बोलने का मौका दिया, धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः राजेन्द्र पाल गौतम जी।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्षा महोदय, आपने मुझे दिल्ली सरकार के केजरीवाल साहब के बजट पर बोलने का मौका दिया। इस अवसर पर मैं माता सावित्री बाई फूले और ज्योतिबाराव फूलेजी को याद करना चाहता हूं जिन्होंने भारत में 1 जनवरी, 1848 को भारत की महिलाओं के लिये पहला स्कूल खोला और इसलिये याद करना चाहता हूं कि उससे पहले भारत में महिलाओं को पढ़ने का कोई अधिकार नहीं था। उनके पढ़ने के लिए कोई स्कूल न था। डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर जी ने कहा था कि अगर किसी समाज की तरक्की के पैमाने को मापना हो तो उस समाज की महिलाओं की तरक्की और उनके एजूकेशन को एक बार देख लो तो समाज का आईना सामने आ जायेगा कि समाज ने कितनी तरक्की की है। माता सावित्री बाई फूले जी ने फातिमा शेख की मदद से 01 जनवरी, 1848 को फुलेवाडा में पूना के अंदर भारत की महिलाओं के लिए पहला स्कूल खोला और आज मुझे शर्म आ रही है कि केन्द्र की सरकार ने एजुकेशन के बजट को घटाते-घटाते 2.9 परसेंट के आसपास कर दिया। 2.9 के करीब हैं आप चैक कर लीजिए। एक तरफ दिल्ली की सरकार है, जिसने एजूकेशन पर लगभग 21 परसेंट बजट देकर समाज की तरक्की का रास्ता प्रशस्त किया है और एक तरफ केन्द्र की सरकार है, जिसने एजुकेशन के बजट को घटाकर केवल लगभग 2.9 परसेंट कर दिया। इसका मतलब केन्द्र की सरकार मोदी जी की सरकार फर्जी मोदी की गारंटी देती घूम रही है। वो चाहती नहीं है कि देश तरक्की

करे। एक तरफ हम सपना देखते हैं कि भारत विश्व गुरू बने, दुनिया का नम्बर एक राष्ट्र बने। लेकिन प्रधान मंत्री जी अपने दोस्त को दुनिया का नम्बर एक अमीर आदमी बनाने के चक्कर में पूरे देश को गरीब कर रहे हैं। ऐसे देश तरक्की कैसे करेगा। जब तक आप एजुकेशन का बजट नहीं बढ़ायेंगे, तब तक देश तरक्की नहीं कर सकता और मुझे आज शर्म इसलिए ज्यादा आ रही है, एक समय देश की सरकारों ने तय किया था कि चूंकि बच्चों को दूर स्कूल जाना पड़ता है कई-कई किलोमीटर पैदल चलकर तो विशेष रूप से आठ-आठ, दस-दस किलोमीटर दूर लड़कियां पढ़ने नहीं जा सकती, लड़के तो दूर की बात, लड़के भी नहीं उतनी मात्रा में जा सकते। इसलिए सरकारों ने तय किया था कि गांव-गांव में स्कूल खोलो ताकि लड़कियां पढ़ सकें और लोग ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। लेकिन मुझे आज बड़ा दुख है, दुख और पेन के साथ में कह रहा हूं I am really pained बडे दुखी मन से कह रहा हूं केन्द्र की सरकार ने न्यू एजूकेशन पॉलिसी के अंदर स्कूलों को मर्ज करने की स्कीम लाकर कई-कई गांव के स्कूलों को बंद करके एक स्कूल बनाकर फिर से वो पुरानी स्थिति वापिस लौटा दी जहां बच्चों को छः-छः, सात-सात किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा जिसकी वजह से बच्चे पढ़ाई को छोड देंगें। क्या हम भारत को फिर से आठहरवीं शताब्दी में ले जाना चाहते हैं। क्या हम इस तरह भारत को विश्व गुरू बनाना चाहते हैं। आपकी नीयत है ही नही कि भारत तरक्की करे। एक तरफ आपने एजुकेशन को

देश की कमजोर कर दिया, दूसरी तरफ पिछले 15 से बीस सालों में पूरे देश के अंदर माननीय अध्यक्षा महोदय, 15 से 20 सालों में पौने दो लाख सरकारी स्कूल बंद हो गए। हम देश को किधर ले जाना चाह रहे हैं। ये विश्व गुरू बनाने का कार्य तो कतई नजर नहीं आता। लेकिन मैं धन्यवाद करूंगा अरविंद केजरीवाल सर का कि जब से 2015 में हमारी सरकार बनी है तब से लगातार एजुकेशन के बजट को बढ़ा कर एजुकेशन पर हमने पूरे देश को किस तरह दुनिया में देश आगे बढ़ सकता है, विश्व गुरू बन सकता है उसका मार्ग दिल्ली ने प्रशस्त किया अरविंद जी की सरकार ने प्रशस्त किया और इस बार लगभग 21 परसेंट बजट एजूकेशन पर दिया है इसके लिए मैं अरविंद जी का भी और हमारी बहन शिक्षा मंत्री आतिशी जी का भी हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ-साथ अगर मानव का शरीर स्वस्थ नहीं है तो उसका दिमाग भी स्वस्थ नही हो सकता। ये बड़े दुःख की बात है कि पूरे देश का हैल्थ के ऊपर दो परसेंट से भी कम बजट है केन्द्र सरकार का। ये कितनी शर्मनाक बात है। ऐसे अगर लोग, लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड किया जायेगा, उनके स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त बजट नहीं होगा और एक तरफ आयुष्मान योजना की बात कर रहे हैं लेकिन उसमें टर्म कन्डीशन ऐसी है कि लोग उसका फायदा ही उठा सकते। ये तो बिल्कुल ऐसे हो गया जैसे scheme is made, is designed in such a way to fail the scheme यानि स्कीम तो बनाओ लेकिन लोग उसका फायदा ना उठा पायें। ये

बिल्कुल उस प्रकार है मैं आपको एक एग्जाम्पल देकर बताता हूं माननीया अध्यक्षा महोदय। केन्द्र के minority affairs मंत्री जी लखनऊ के अंदर लगभग 2018, 2019 की बात है। minorities affairs मंत्रालय ने एक वहां पर एक मिटिंग बुलाई और देश के जितने भी minority affairs के मंत्री हैं उनको वहां बुलाया। बाई चांस मुझे उसमें जाने का मौका मिला तो सारे राज्यों की जो-जो बीजेपी शासित राज्य थे सब लोग केवल उनकी तारीफ कर रहे थे, बहुत अच्छा, बहुत अच्छा, बहुत अच्छा। मैने कहा minority affairs मंत्रालय को एक सुधार करना चाहिए कि माईनोरिटी के डव्लपमेंट के लिए minority development finance corporation बना है, National Minority Development Finance Corporation जो उनको लोन देने का काम करता है। लेकिन उसकी शर्त ऐसी है कि जिस परिवार की ग्रामीण क्षेत्र के जिस परिवार की सालाना इन्कम 65 हजार से कम हो केवल वो लाभ उठायेंगे और शहरी क्षेत्र में जिसके पूरे परिवार की इन्कम एक लाख 25 हजार सालाना से कम हो केवल वो उस लोन को ले सकते हैं, वो केवल फायदा उठायेंगे। मैने कहा जी मेरे दिल्ली के अंदर तो मिनिमम वेज वो ही लगभग दो लाख रुपये से ऊपर है तो फिर मेरे दिल्ली का तो माईनोरिटी समाज इस लोन को ले ही नहीं सकता। इसका मतलब आपने तो ये स्कीम ही इस लिए बनाई है ताकि नाम को स्कीम दिखा दें कि माईनोरिटी का विकास करना है लेकिन उनको कुछ देना नहीं है। तो उसी प्रकार यहां हैल्थ अगर आपका शरीर स्वस्थ नहीं है और आप स्वास्थ्य का

बजट भी कम करते जा रहे हैं, स्वास्थ्य पर पैसा ही खर्च नहीं कर रहे तो जब शरीर स्वस्थ नहीं होगा और आदमी मन से डिप्रेशन में रहेगा और जब मन स्वस्थ नहीं होता तो कभी भी आदमी जीवन में तरक्की नहीं कर सकता। लेकिन मैं धन्यवाद करूंगा अपनी सरकार का कि उन्होंने हैल्थ बजट...

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः अध्यक्षा महोदया या तो बंद करता हूं वरना आप मुझे बोलने का पूरा टाइम दीजिए,

माननीया अध्यक्षः आपकी इच्छा है।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः आपके पास बिजनेस कितना बचा है।

माननीया अध्यक्षः सबकी समय सीमा है।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः हाँ तो आज मैं खत्म करता हूं मुझे दोबारा अगला लगेगा उस दिन देना मौका।

माननीया अध्यक्षः पांच से दस मिनट सबको दिया जा रहा है और आपने बोलना शुरू करा था।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः नहीं अगर आप देंगे तो मैं बोलूंगा वरना मैं नहीं बोलूंगा।

माननीया अध्यक्षः आपको बोलते हुए पूरे आठ मिनट हो गए हैं।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः अगर आप मुझे मेरा भाषण पूरा करने देंगे तो मैं बोलूंगा वरना मैं अपनी बात खत्म करता हूं।

माननीया अध्यक्षः अगले पांच मिनट में कम्पलीट करिये।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः धन्यवाद अध्यक्षा महोदय, हमने जहां केन्द्र की सरकार ने 2 परसेंट से भी कम हैल्थ पर बजट दिया वहीं हमारी सरकार ने 11 परसेंट से ज्यादा हैल्थ पर बजट दिया है। दिल्ली के लोग स्वस्थ हो रहे हैं। चूंकि हम हैल्थ पर ज्यादा बजट दे रहे हैं इतने दिल्ली के लोग स्वस्थ हो रहे हैं। इसी वजह से ये ही कारण है कि दिल्ली के लोगों की आय प्रतिव्यक्ति आय पूरे भारत में सबसे ज्यादा है। चूंकि जब आदमी एजूकेट होगा, शरीर से स्वस्थ रहेगा, दिमाग अच्छा चलेगा तो वो तरक्की के लिए काम करेगा और आज इसमें कोई शक नहीं है कि सीवर का लाइन बिछाने का मामला हो या पानी का बिछाने का मामला हो वो लगातार एक्सपेंड होता जा रहा है। चीजें काफी सुधर रही हैं। ट्रांसपोर्ट पहले से बेहतर हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं है और पावर में तो कमाल हुआ है। बिजली कट्स बंद हो गए। मुझे आज भी याद है एक समय था, मेरी गली में एक मंत्री जी रहते थे लाल बिहारी तिवारी जी, घोंडा में। सांसद बाद में बने। जब 1993 में पहला चुनाव हुआ, उस वक्त वो जीत कर आये और नागरिक

आपूर्ति मंत्री बने जो आज इमरान हुसैन जी हैं। वो अलग बात है बाद में उसी में उन्होंने अपने सारे बच्चे दिल्ली की सरकार में लगवा दिये, सारे पक्के करवा दिये कच्चे लगे थे। सबकी नौकरी लग गई और आज हमारा एक मंत्री एक आदमी नहीं लगा सकता। तो उनकी याद इसलिए आ गई कि आज जो घरों के अंदर हमने बैट्रियां लगाई थी, इन्वरटर्स लगाये थे, आज उनकी जरूरत नहीं है, अध्यक्षा जी। इन्वरटर्स खत्म हो गए। उस वक्त उनकी याद इस लिए एक बार ट्रांसफार्मर घोंडा में हमारे यहां का क्षेत्र का खराब हो गया। मैं उनके घर पर गया मैंने कहा आप मंत्री है ट्रांसफार्मर तो जल्दी लगवा लो। उन्होंने कहा मैं जल्दी प्रयास कर रहा हूं और मैं आपको बताऊँ 1994-95 की बात है ट्रांसफार्मर लगने में उस वक्त सात दिन लगे सैवन डेज और एक आज है ये better investment, gives better productivity अच्छा इन्वेस्टमेंट करिये, अच्छा प्रोडेक्शन होगा। तो सरकार ने हर क्षेत्र में अच्छा इन्वेस्टमेंट किया तो अच्छा रिजल्ट अच्छे आ रहे हैं। आज बिजली नहीं जाती। ट्रांसफार्मर खराब होने की तो बात सुनना ही बंद हो गई अब, अब कोई ट्रांसफार्मर खराब नहीं होते। पता ही लगता खराब हुआ है ठीक कब ठीक हो गया। तो इस तरीके से और फिर फ्री बिजली, फ्री पानी, बसों में यात्रा फ्री और इसमें मैं आज आतिशी जी का और माननीय अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि वो जो महिलाओं के लिए एक हजार आप इसे एक हजार मत देखिये। मैं इसको सही व्याख्या करके बताता हूं, अगर उनके उनके माता-पिता साठ साल से

ऊपर हैं तो दोनों के चार हजार तो वो गए, पेंशन के और अगर सत्तर साल से ऊपर हैं तो पांच हजार तो माँ-बाप के हो गए यानि बच्चे के दादा-दादी के और घर में एक बेटी है और माँ है एक-एक हजार उनके हो गए, पांच और दो सात हजार। उसके बाद बिजली फ्री और पानी फ्री का जोड़ लो, यानि कि कम से कम दस हजार रुपया प्रतिमाह उस परिवार को फायदा हो रहा है। निश्चित तौर पर इसलिए दिल्ली के लोग तरक्की करने में आगे बढ़ रहे हैं। बहरहाल चूंकि आपने पांच मिनट दिये हैं तो मैं लास्ट में आता हूं। हमारे यहां ये जो माईनोरिटी मिनिस्ट्री है ये पहले एससी/एसटी/ओबीसी मंत्रालय के साथ था, लेकिन आज दिल्ली में minority affairs मंत्रालय नहीं है। वो विभाग रेवेन्यू डिपार्टमेंट को दे दिया, डीएम को दे रखा है एक डीएम को। इसीलिए माईनोरिटीज के लिए कोई स्कीम नहीं है। मैं माननीय अरविंद केजरीवाल जी से निवेदन करता हूं वो केबिनेट में लाकर उस विभाग को उनसे वापिस लें डीएम से और उनसे अपने किसी मंत्री को दें ताकि माईनोरिटी समाज के विकास के लिए कोई योजना बन सके। दूसरा मैं बड़े दु:ख के साथ शेयर कर रहा हूं। चूंकि डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर जी ने जो पूरा जीवन जलाया अपने पांच में से चार बच्चे गवां दिये। जवानी में अपनी पत्नी माता रमाबाई को 35-36 साल की उम्र में गवां दिया और पूरा जीवन अपना जला कर तब वो हमारे लिए कहीं विकास के रास्ते बनाकर गए। ये जो हमें रिजर्वेशन मिला है ना नौकरियों के लिए ये डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर की कुर्बानी

की वजह से मिला है। ये जो आज हम एमएलए और मंत्री बने बैठे हैं ना पूरे देश के अंदर ये डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर अगर ये रिप्रजेंटेशन ना दिलवाते तो हमें मिलता नहीं। लेकिन पूना पैक्ट जिस दुखी मन से उनको करना पड़ा जो उन्होंने separate electorate मांगा था पृथक निर्वाचन क्षेत्र मांगा था वो पृथक निर्वाचन क्षेत्र मजबूरी में गांधी जी की जान बचाने के लिए और अपने पूरे समाज के कत्लेआम को बचाने के लिए जो समझौता करना पड़ा 24 सितम्बर, 1932 को उसके तहत ये जो हमें पॉलिटिकल रिजर्वेशन मिला उसमें एक धोखा हो गया। वो separate electorate इस लिए चाहते थे पृथक निर्वाचन क्षेत्र ताकि एस.सी./एस.टी के सांसद विधायक को एस.सी./एस.टी के लोग चुने। वो जानते थे कि अगर ये पृथक निर्वाचन क्षेत्र नहीं होंगे सब लोग उसको वोट डालेंगे, तो उसके बाद वो उनका सच्चा प्रतिनिधि नहीं होगा, वो उनकी बात नहीं कर सकता, उनके मुद्दे नहीं उठा सकता। आज पूरे देश के अंदर एससी/एसटी/ओबीसी, एस.सी./एस.टी के जो एमएलए और सांसद हैं वो गूंगे बहरे बन कर बैठ गए हैं, बोल नहीं पाते वो। लेकिन बाबा साहेब ने कहा था शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगा, हमने पिया है। हमने पिया है हम दहाड़ेंगे। हमें बोलना पड़ेगा, चुप तो वो रहेगा जिसको आता नहीं कुछ। जो पढ़ेगा वो बोलेगा। आपके भी घर पर समाज के लोग आते होंगे, आपसे पूछते होंगे आप क्या-क्या योजना बना रहे हो समाज के लिए, क्या कर रहे हो। हमारे सारे विधायक साथियों के पास भी आते होंगे, मेरे

पास पूरे देश से लोग आते हैं और दिल्ली के लोग भी आते हैं पूछते हैं। तो मैं दुखी मन से कह रहा हूं आज इस अफसरशाही ने ऐसा नहीं है कि हमारी सरकार, हमारे मुख्यमंत्री जी या हमारे मंत्री जी काम नहीं करना चाहते, ऐसा नहीं हो सकता, मैं मान ही नहीं सकता। जो सबके लिए कुछ ना कुछ दे रहा है और वो एस.सी. /एस.टी. को कुछ ना दे मैं कभी नहीं मान सकता। लेकिन मैं दुखी मन से कह रहा हूं कि केन्द्र की सरकार ने अफसरों को बकायदा अफसरों को ऐसे-ऐसे अफसरों को लगाया एस.सी./एस.टी. डिपार्टमेंट के अंदर कि अगर 2015-16 से अब तक का अगर डाटा देंखे आप चौंक जाओगे। बजट 30 हजार करोड़ से बढ़ते-बढ़ते 76 हजार करोड़ पर पहुंच गया लेकिन एस.सी./एस.टी का बजट जो 2015-16 में रिवाईज्ड बजट 397 करोड़ था, वो रिवाईज्ड बजट घटते-घटते 2022-23 में 225 करोड़ पर आ गया और अगर खर्च पर जाओगे तो पता लगेगा डेढ़ सौ करोड से भी नीचे आ गया। ये एस.सी./एस.टी का बजट खर्च क्यों नहीं हो रहा। मुझे पूरा यकीन है कि सरकार बजट देने में कोई कमी नहीं बरतेगी, उनकी नीयत पर हमें पूरा भरोसा है कि वो देना चाहते हैं लेकिन जानबूझकर अफसरशाही ऐसी लगाई जाती है ना तो कोई स्कीम बन रही है ना वो आगे बढ़ रही है। मंत्री निर्देश देते हैं, अफसर सुनते नहीं है या ऑफिसरों की इलैक्शन में डयूटी लगती है, आते हैं तो फिर बीमार हो जाते है। छः-छः महीने यहां कोई ऑफिसर नहीं रहता एस.सी./एस.टी डिपार्टमेंट में और जो आता है वो आने से पहले अपना ट्रांसफर कराने की

सोचता है। सोचता है मुझे तो ऐसे मंत्रालय में डाल दिया यहां तो मुझ कुछ करना ही नहीं है, यहां तो मेरे लिए कुछ है ही नहीं। तो ये एक विभाग को जिस तरह बर्बाद किया जा रहा है बंद किया जा रहा है, इसके लिए भी एक लड़ाई लड़नी पड़ेगी और हम इस लड़ाई को लड़ेंगे। हमारे मैं अपने सारे विधायक साथियों से आप से भी निवेदन कर रहा हूं कि बजट जब ढ़ाई गुणा हो गया तो ये बजट क्यों नहीं बढ़ रहा और जो दिया जा रहा है वो भी खर्च क्यों नहीं हो पा रहा। जैसे ही मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना बनाई थी, आप सबके सहयोग से माननीय मुख्यमंत्री जी के सहयोग से मुझे बड़ा दुख के साथ मैं कह रहा हूं वो पिछले दो साल से अधिक से समय हो गया बंद पड़ी है। उससे पढ़कर बच्चे आईआईटी में गए, इंजीनियरिंग में गए, मैडिकल में गए, उसी से पढ़कर बच्चों की नौकरियां लग गई। लोग पुलिस में गए, रेलवेज में गए, बैंक में गए।

माननीया अध्यक्षः गौतम जी कम्पलीट कीजिए।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः आज वो बच्चे क्या करें, उनका क्या दोष है, क्या दोष है उनका? इन अफसरों ने उस स्कीम को रोका क्यों?

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए गौतम जी।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः इस स्कीम को पूरा फेल कर दिया। तो मैं निवेदन करता हूं अपने माननीय मुख्यमंत्री जी से और अपने चूंकि मैं जानता हूं मंत्री काम करना चाहते है। ऐसा नहीं राज कुमार आनन्द जी काम करना नहीं चाहते है, आप भी मंत्री रही हैं, मैं जानता हूं आपने कितने मन से काम किया होगा। मैं भी साढ़े पांच साल मंत्री रहा हूं, मैं भी जानता हूं कि मैने कितने मन से अपने समाज के लिए, लोगों के विकास के लिए योजना बनाने के लिए काम किया। लेकिन जब विभाग में अधिकारियों से सहयोग ना मिले तो ये दुख की बात नहीं है। कैसे रिजल्ट आयेगा, ये समाज तरक्की कैसे करेगा। ये समाज हमारे कपड़े फाड़ता है, हमें पकड़ता है पूछता है कि तुम क्या कर रहे हो। तुमने क्या किया है। आज वो बजट भी घटते-घटते डेढ़ सौ करोड़ से नीचे पहुंच गया है खर्च ही नहीं हो रहा। स्कीम जितनी थी सारी बंद हो गई। आज छात्रवृत्ति वाली स्कीम भी लगभग ठप्प है। सब कुछ लगभग ठप्प है, क्यों है। मैं एलजी साहब से पूछना चाहता हूं कहते हैं मैं सरकार हूं। तुम सरकार हो तो तुम्हारे ऑफिसर एसटीएसटी डिपार्टमेंट को फेल क्यों कर रहे हैं। एससी/एसटी/ओबीसी वेलेयर डिपार्टमेंट जिसकी, जिस समाज की संख्या दिल्ली के अंदर भी 80 परसेंट से ज्यादा है उस समाज के लिए कोई योजना नहीं है। ये ऑफिसर योजना बनाते ही नहीं है। मंत्री कहते रहते हैं बनाओ, नहीं बना रहे। छुट्टी पर चले जाते हैं, कभी कुछ चला जाते हैं। काम ही नहीं हो रहा। पूरा समाज, पूरी सरकार को फेल कर रहे हैं और मंत्री को तो फेल

कर ही रहे हैं। हमें भी फेल करने का प्रयास किया। ये पूरी सरकार को बदनाम करने की साजिश है। माननीया अध्यक्षा महोदय इस पर निश्चित तौर पर कुछ कीजिए। वरना इसके लिए एक लम्बी लड़ाई लड़नी पड़ेगी। अगर हम वॉटर पॉलिसी, one time settlement लाने के लिए लड़ रहे है तो एस.सी./एस.टी डिपार्टमेंट को तेज गति देने के लिए, उनकी स्कीम्स को तेज गति देने के लिए लड़ना पड़ेगा तो हम लड़ेंगे। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद। शुक्रिया।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद जी। विशेष रवि जी। आपका नाम आया। तैयारी नहीं है।

श्री सजींव झाः एक निवेदन है अध्यक्ष महोदया कि कल और परसों शिव रात्रि के लिए हम जगह-जगह.

माननीया अध्यक्षः एक बार में एक ही बोलेंगे।

श्री संजीव झाः जगह-जगह जाना है तो कल ओर परसों की छुट्टी कर देते, शनिवार को भले ही इसको चला लेते तो ज्यादा अच्छा होता और मेरे ख्याल से सदन के सभी साथियों की भी ये ही राय है मेरे ख्याल से। तो बस ये ही निवेदन मैं करना चाह रहा था।

माननीया अध्यक्षः आपका भी सेम विषय है। अब श्री संजीव झा जी द्वारा प्रस्ताव जो किया गया है जो प्रस्ताव अभी रखा गया

है, संजीव झा जी द्वारा कि 8 मार्च और 7 मार्च को बहुत ज्यादा सामाजिक जो है कार्य आप लोगों के लगे हुए हैं सबके हमारे भी लगे हुए हैं तो वो भावना सदन के समक्ष है:

जितने भी लोग इस पर सहमति जताते हैं

एक बार वो हाँ कहें,

किसी की असहमति हो वो ना कहें

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता।

अब सदन की कार्यवाही शनिवार दिनांक 09 मार्च, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। आप सब लोग भोजन के लिए आमंत्रित हैं। धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही शनिवार दिनांक 09 मार्च, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।